संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 352-बुधवार 29- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

तेजस्वी ने घोषणापत्र जारी किया, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष और प्रभारी मंच पर नहीं दिखे

महागठबंधन का हर घर में एक सरकारी नौकरी का वादा

पटना,28 अक्टूबर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन के नेताओं ने घोषणा पत्र जारी कर दिया है। घोषणा-पत्र का नाम...बिहार का तेजस्वी प्रण दिया गया है। इसमें 20 महीने में हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया गया है। इसके लिए 20 दिन में अधिनियम बनाया जाएगा। इसके अलावा 5 एक्सप्रेस-वे बनाने और 200 यूनिट बिजली फ्री करने की भी घोषणा की गई है। महागठबंधन के घोषणा-पत्र में युवाओं, महिलाओं, संविदा कर्मियों, पुराने पेंशनधारी, किसान और गरीब परिवारों के लिए भी कई वादे किए गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तेजस्वी यादव के साथ कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा भी मौजूद थे, लेकिन मंच पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम नदारद दिखे। घोषणा पत्र जारी करते हुए तेजस्वी ने कहा, हमें केवल सरकार ही नहीं बनानी, बल्कि बिहार को बनाने का काम करना है। आज महागठबंधन के सभी साथियों ने मिलकर बिहार के लोगों के सामने संकल्प पत्र रखा है।

तेजस्वी बोले...नीतीश कुमार को बीजेपी ने पुतला बना दिया

तेजस्वी ने कहा, मैं नीतीश कुमार के लिए सहानुभूति रखता हूं। बीजेपी और भ्रष्ट अधिकारियों ने उनको पुतला बना दिया है। उनके चेहरे का इस्तेमाल किया जा रहा है। अमित शाह ने पहले ही कन्फर्म कर दिया है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनाने नहीं जा रहे हैं। महागठबंधन में सीएम और डिप्टी सीएम का फेस कौन होगा, यह स्पष्ट है। लेकिन एनडीए की ओर से कुछ क्लियर नहीं है। इससे पहले महागठबंधन के सीएम कैंडिडेट और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, हमने सीएम का चेहरा भी घोषित कर दिया है। आज हम तेजस्वी प्रण पत्र जारी करने जा रहे हैं कि हम अगले 5 साल कैसे काम करने जा रहे हैं। घोषणापत्र का सबसे बड़ा वादा है। हर परिवार से एक सदस्य को सरकारी नौकरी तेजस्वी यादव पहले ही कई बार इस बात का जिक्र कर चुके हैं और अब इसे औपचारिक रूप से घोषणापत्र में शामिल किया जा रहा है।

तेजस्वी बोले...नीतीश कुमार को बीजेपी ने पुतला बना दिया

तेजस्वी ने कहा, मैं नीतीश कुमार के लिए सहानुभूति रखता हूं। बीजेपी और भ्रष्ट अधिकारियों ने उनको पुतला बना दिया है। उनके चेहरे का इस्तेमाल किया जा रहा है। अमित शाह ने पहले ही कन्फर्म कर दिया है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनाने नहीं जा रहे हैं। महागठबंधन में सीएम और डिप्टी सीएम का फेस कौन होगा, यह स्पष्ट है। लेकिन एनडीए की ओर से कुछ क्लियर नहीं है।

नित्यानंद राय बोले...महागठबंधन का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने महागठबंधन के घोषणा पत्र पर कहा, आज घमंडिया गठबंधन का घोषणा पत्र जारी हुआ है... भ्रष्टाचार के आरोप में जिसपर दोष सिद्ध हो चुका है वो कह रहा है कि हम भ्रष्टाचार मिटाएंगे। आपने घोषणा पत्र में जो भी डाला है वो झूठ का पुलिंदा है इसपर बिहार के लोग भरोसा नहीं कर रहे। एनडीए और नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी पर बिहार के लोगों को भरोसा है।

चिराग बोले...महागठबंधन के लोग झूठ बोलने में माहिर हैं...

केंद्रीय मंत्री बोले- चिराग पासवान ने महागठबंधन के घोषणा पत्र पर कहा, जब आपको सरकार में आना ही नहीं है तो झूठ बोलने में क्या जाता है। अभी तो इन्होंने परिवार में एक सरकारी नौकरी की बात की है। झूठ बोलने पर आ जाएं तो हर एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी बोल देंगे। झूठ बोलने में ये इतने माहिर हैं। सबको पता है कि ये संभव नहीं है।

तेजस्वी के मेनिफेस्टो पर सम्राट का तंज, बोले...खोदा पहाड़ निकली चुहिया

डिप्टी सीएम और तारापुर से भाजपा उम्मीदवार सम्राट चौधरी ने महागठबंधन के घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए कहा, खोदा पहाड़ निकली चुहिया। इस तरह की कोई व्यवस्था उनके घोषणा पत्र में नहीं आई। उन्हें बताना चाहिए कि पैसा कहां से आएगा? क्या बजट लगेगा? कैसे काम करेंगे?

राजस्थान में हाईटेंशन लाइन से छूने पर बस में दौड़ा करंट,दो मजदूरों की मौत

12 मजदूर भी झुलसे

जयपुर, 28 अक्टूबर 2025। जयपुर ग्रामीण जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक निजी बस हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। करंट दौड़ने से बस में आग लग गई। हादसे में कई मजदूर झुलस गए, जबकि दो मजदूरों की मौत हो गई। यह हादसा मनोहरपुर इलाके के टोडी गांव के पास हुआ, जहां ईंट-भट्ठे पर काम करने के लिए मजदूरों को लेकर जा रही बस ऊपर से गुजर रही 11 केवी लाइन के संपर्क में आ गई। करंट लगने के तुरंत बाद बस में आग भड़क उठी। भट्टे पर पहुंचने से करीब 300 मीटर पहले हादसा हो गया। हादसे में नसीम (50) और सहीनम (20) की मौत हो गई। बस में करीब 65 मजदूर सवार थे, जिनमें से 12 के झुलसने की जानकारी सामने आई है। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ग्रामीणों ने किसी तरह बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही शाहपुरा (जयपुर ग्रामीण) के वृत्ताधिकारी मुकेश चौधरी, एसडीएम संजीव खेदड़ और मनोहरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। झुलसे मजदूरों को शाहपुरा के उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल 5 मजदूरों को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर किया गया। बस के ऊपर गैस सिलेंडर और एक मोटरसाइकिल भी रखी हुई थी। हादसे के दौरान एक सिलेंडर में विस्फोट हुआ, जिससे आग और तेज फैल गई। स्थानीय प्रशासन ने दमकल की मदद से आग पर काबू पाया। जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने बताया कि बस में 65 मजदूरों को टोडी स्थित ईंट भट्टे पर लाया जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हुए हैं। घायलों को एसएमएस अस्पताल में रैफर किया गया है। उन्होंने बताया कि ईंट भट्ठा वाले मजदूर जब दूसरे राज्यों में काम पर आते हैं तो अपने साथ घरेलू सामान लेकर आते हैं। सामान बस के ऊपर रखा था। हाइटेंशन लाइन सामान से टच हो गई। फिलहाल घटना स्थल पर पुलिस और एफएसएल टीम है। सीएम और उच्च अधिकारियों को जांच रिपोर्ट दी जाएगी। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। शाहपुरा के डीटीओ यशपाल सिंह यादव ने बताया कि हादसे में शामिल बस उत्तर प्रदेश की रजिस्टर्ड गाड़ी है और बस का मालिक भी वहीं का निवासी है। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि यह बस पहली बार राजस्थान आई थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। परिवहन विभाग की ओर से बस की आरसी रद्द करने और ड्राइवर का लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, क्योंकि बस अब चलने योग्य स्थिति में नहीं है।

केंद्र ने 8 वें वेतन आयोग की शर्तों को मंजूरी दी...

एक जनवरी से लागू हो सकता है,50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को फायदा होगा

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2025। केंद्र सरकार ने मंगलवार, 28 अक्टूबर को 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस यानी शर्तों को मंजूरी दे दी है। अब कमीशन बनेगा और वो अपनी सिफारिशें गठन की तारीख से 18 महीने के अंदर देगा। इसके बाद 1 जनवरी 2026 से नया वेतन मान लागू हो सकता है। हालांकि, पुराने ट्रेंड को देखते हुए सिफारिशों को पूरी तरह इम्प्लीमेंट होने में 2028 तक का इंतजार करना पड़ सकता है। यानी, कर्मचारियों को 17-18 महीने का एरियर एकमुश्त या किस्तों में मिलेगा। इससे 50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। सरकार ने जनवरी 2025 में ही इस कमीशन के गठन का ऐलान किया था। अब टर्म्स ऑफ रेफरेंस को मंजूरी देने का मतलब ऐसे दस्तावेज से है जो बताता है कि आयोग का काम क्या है, काम कैसे होगा, कितने समय में होगा, कौन-कौन शामिल होंगे।

लड़की ने खुद रची थी एसिड अटैक की साजिश,शामिल था पूरा परिवार

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2025। दिल्ली के भारत नगर इलाके से सामने आए एसिड अटैक के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में एसिड अटैक का मामला फर्जी पाया गया। नया खुलासा यह है कि जिस लड़की पर एसिड अटैक होने का दावा किया गया था, उसी ने पूरी प्लानिंग की थी। इस षड्यंत्र में लड़की के साथ उसके पिता, चाचा और भाई भी शामिल थे। मामले में आरोपियों को क्लीनचिट के बाद स्पेशल सीपी, कानून एवं व्यवस्था (दिल्ली पुलिस) रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि टेक्निकल एनालिसिस, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों की गवाही के बाद पता चला कि मुख्य आरोपी निर्दोष हैं। अन्य आरोपी भी निर्दोष थे। उन्होंने न्यूज एजेंसी से कहा, इस षड्यंत्र को लड़की, उसके पिता, चाचा और भाई ने मिलकर रचा। आरोप लगाने वाली लड़की और निर्दोष पाए गए व्यक्ति के परिवारों के बीच मंगोलपुरी में पुराना प्रॉपर्टी विवाद चल रहा था। उसी केस में लड़की के घर वालों ने निर्दोष पाए गए व्यक्ति के परिवार की महिला पर एसिड फेंका था। लड़की का पिता उस व्यक्ति की पत्नी का भी शोषण कर चुका था। इतना ही नहीं, लड़की ने तीन ऐसे लोगों के नाम भी एफआईआर में दर्ज कराए थे, जो वाकई में घटनास्थल पर मौजूद भी नहीं थे। पुलिस अधिकारी ने खुशी जताते हुए कहा कि हमने निर्दोष व्यक्ति को बचाया है। इससे पहले, जिस व्यक्ति पर एसिड अटैक के आरोप लगाए थे।

बंगाल की खाड़ी में मोंथा चक्रवात से आंध्र तट पर जबरदस्त असर 50 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर किया स्थानांतरित

छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिन तक बारिश हो सकती है

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2025। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात मोन्था ने मंगलवार सुबह तूफानी रूप ले लिया है और आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में अब सक्रिय स्थिति में है। इसका असर चारों तटीय राज्यों- आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल व ओडिशा में दिख रहा है, जहाँ हवा की रफ्तार 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई है। आंध्र प्रदेश व ओडिशा में अब तक 50,000 से अधिक लोगों को तटीय इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं, कई ट्रेनों को रद्द किया गया है, मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। यह तूफान आंध्र प्रदेश के काकीनाड़ा तट के पास मछलीपट्टनम-कलिंगपट्टनम के बीच टकरा सकता है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू बोले...

3,778 गांवों में भारी बारिश होगी मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तूफान मोन्था का प्रभाव मंगलवार सुबह से और तेज हो गया है। 3,778 गांवों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि मोन्था सुबह लगभग 5.30 बजे तूफान में बदल गया। अधिकारियों के अनुसार, 338 मंडलों और 3,778 गांवों में भारी बारिश होने का अनुमान है। सरकार ने 22 जिलों में 3,174 पुनर्वास केंद्र बनाए हैं।

रेल मंत्री ने चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज आसन्न चक्रवात 'मोंथा' के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस समीक्षा बैठक में पूर्वी तट के किनारे रेलवे नेटवर्क की तैयारियों का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्रीय मंत्री ने यात्री सुरक्षा, रेल विनियमन, बहाली योजना और स्थानीय प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ समन्वय हेतु किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। उन्होंने रेलवे अधिकारियों को चक्रवात के प्रभाव, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में पूर्वी तट के किनारे, की आशंका में सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया। निर्बाध संचार और आपदा प्रतिक्रिया टीमों की समय पर तैनाती की आवश्यकता पर बल देते हुए केंद्रीय मंत्री ने सभी रेलवे जोनों को हाई अलर्ट पर रहने और चक्रवात के बाद रेल सेवाओं की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।रेल मंत्रालय के अनुसार भारतीय रेलवे ने आसन्न चक्रवात 'मोंथा' की वास्तविक समय में समन्वय और प्रतिक्रिया के लिए मंडलीय 'वार रूम' सक्रिय कर दिए हैं। आवश्यक सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन को तैयार रखा गया है विशेष रूप से विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और गुंटूर मंडलो में तैयार रखा गया है। यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए रेल परिचालन की निरंतर निगरानी की जा रही है। पूर्व तटीय रेलवे, दक्षिण तटीय रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जोनों को आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए संसाधन जुटाने और सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतने का निर्देश दिया गया है।

भारत-रूस मिलकर बनाएंगे नागरिक यात्री विमान एसजे-100,एचएएल से समझौता

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2025। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) ने नागरिक यात्री विमान एसजे-100 का उत्पादन करने के लिए समझौता किया है। भारत में बनने वाला यह विमान छोटी दूरी की कनेक्टिविटी के लिए बड़ा क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा। इस समझौते के तहत एचएएल के पास घरेलू ग्राहकों के लिए एसजे-100 विमान बनाने का अधिकार होगा। एचएएल के मुताबिक एसजे-100 एक दोहरे इंजन वाला संकीर्ण शरीर वाला विमान है। अब तक 200 से ज्यादा विमानों का उत्पादन किया जा चुका है और 16 से ज्यादा वाणिज्यिक एयरलाइन ऑपरेटर इसका इनका संचालन कर रहे हैं। एचएएल और रूसी कंपनी ने 27 अक्टूबर को मॉस्को में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एचएएल की ओर से प्रभात रंजन और यूएसी की ओर से ओलेग बोगोमोलोव ने एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील और यूएसी के महानिदेशक वादिम बडेखा की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। एचएएल के अध्यक्ष ने कहा कि एचएएल और यूएसी के बीच यह सहयोग दोनों संगठनों के बीच आपसी विश्वास का परिणाम है। यह पहला ऐसा उदाहरण भी होगा, जिसमें भारत में एक पूर्ण यात्री विमान का उत्पादन किया जाएगा। इस तरह की पिछली परियोजना में एचएएल ने एवरो एचएस-748 का उत्पादन किया था, जो 1961 में शुरू हुई थी और 1988 में समाप्त हुई थी। अनुमान है कि अगले 10 वर्षों में भारतीय विमानन क्षेत्र को क्षेत्रीय संपर्क के लिए इस श्रेणी के 200 से अधिक जेट विमानों और हिंद महासागर क्षेत्र में आस-पास के अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों की सेवा के लिए अतिरिक्त 350 विमानों की आवश्यकता होगी।

प्रशांत किशोर को चुनाव आयोग का नोटिस

बिहार-बंगाल की वोटर लिस्ट में नाम,3 दिन में जवाब मांगा

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2025। चुनाव आयोग ने मंगलवार को जनसुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर को 2 वोटर आईडी पर नोटिस भेजा है और 3 दिन में जवाब मांगा है। पीके का नाम बिहार के साथ पश्चिम बंगाल में भी मिला है। महागठबंधन ने आज अपना घोषणा-पत्र जारी कर दिया है।

सीएम फेस तेजस्वी यादव ने कहा, हमने सीएम का चेहरा घोषित कर दिया है। लेकिन एनडीए ने अब तक अपना सीएम फेस का ऐलान नहीं किया है।

एनडीए 30 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा। उधर, राहुल और प्रियंका गांधी 29 अक्टूबर से बिहार में चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। राहुल की सभा मुजफ्फरपुर और दरभंगा में होगी। प्रियंका बेगूसराय जिले के बछवाड़ा में रैली करेंगी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत दृढ़ संकल्पित : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। इस खतरे से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दृढ़ संकल्पित है। राष्ट्रपति मुर्मु ने आज नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा (आईएसए) के आठवें सत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आईएसए समावेशिता, सम्मान और सामूहिक समृद्धि के स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा का दोहन करने की मानवता की साझा आकांक्षा का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आईएसए सौर ऊर्जा को अपनाने और उपयोग को प्रोत्साहित करके इस वैश्विक चुनौती से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने कहा कि समावेशिता का विचार भारत की विकास यात्रा को परिभाषित करता है। सुदूर क्षेत्रों में घरों को रोशन करने का हमारा अनुभव हमारे इस विश्वास की पुष्टि करता है कि ऊर्जा समानता सामाजिक समानता का आधार है।

उन्होंने कहा कि सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा तक पहुँच समुदायों को सशक्त बनाती है, स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देती है और ऐसे अवसर खोलती है जो बिजली आपूर्ति से कहीं आगे तक फैले हुए हैं। राष्ट्रपति ने सभी सदस्य देशों से बुनियादी ढाँचे से आगे बढ़कर लोगों के जीवन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

हाईकोर्ट ने पलटा कर्नाटक सरकार का संघ के कार्यक्रमों पर प्रतिबंध वाला फैसला

अजय कुमार
लखनऊ (उ. प्र.)

कर्नाटक सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर रोक लगाने का फैसला उलटा पड़ गया है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए उसका आदेश पलट दिया है। यह फैसला कर्नाटक की राजनीति और शासन की दिशा पर बड़ा संकेत देता है। बता दें, आरएसएस के कार्यक्रमों पर रोक लगाने के कर्नाटक सरकार के आदेश को हाईकोर्ट ने आज न सिर्फ खारिज किया बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास ऐसा करने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। जस्टिस एम. नागाप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सरकार और पुलिस प्रशासन यह बताने में विफल रहे कि उन्हें यह अधिकार किस प्रावधान से मिला कि वे किसी संगठन को सार्वजनिक रूप से कार्यक्रम आयोजित करने से रोक दें। अदालत ने फिलहाल एक अंतरिम आदेश जारी कर इस रोक पर स्टे लगाया है और राज्य सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

मामला तब शुरू हुआ जब 18 अक्टूबर को कांग्रेस शासित कर्नाटक सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर कहा था कि बिना इजाजत 10 से ज्यादा लोगों का किसी भी सार्वजनिक स्थल पर एकत्र होना अपराध माना जाएगा। साथ ही निर्देश दिया गया था कि सड़कों, पार्कों और खेल के मैदानों में यदि लोगों का समूह बिना अनुमति के इकट्ठा होता है तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए। इस आदेश के बाद राज्य के कई जिलों में आरएसएस की शाखा और सामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने की कोशिशें की गई थीं। प्रशासन ने तर्क दिया था कि इन कार्यक्रमों से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है और संभावित विवादों को रोकने के लिए यह कदम जरूरी था। आरएसएस और उससे जुड़े कार्यकर्ताओं ने इस आदेश को पूर्णतः भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे अदालत में चुनौती दी। उनका कहना था कि यह कदम केवल एक विचारधारा को दबाने की मंशा से उठाया गया है। आरएसएस की दलील थी कि वे पिछले सात दशक से सामाजिक, शैक्षणिक और राष्ट्रीय एकता के कार्यक्रम आयोजित करते आए हैं और इनमें किसी तरह की हिंसा या अव्यवस्था का कोई उदाहरण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आदेश संविधान प्रदत्त सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध है। हाईकोर्ट ने अपनी सुनवाई के दौरान सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि किस आधार पर किसी संगठन की गतिविधियों पर इस प्रकार की पूर्ण रोक लगाई जा सकती है। अदालत ने टिप्पणी की कि ऐसा आदेश मनमाने तरीके से नागरिक अधिकारों पर आघात करता है और प्रशासन को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में सरकार भी संविधान के अधीन है। अदालत ने कहा कि यदि किसी सभा से शांति व्यवस्था का विशिष्ट खतरा हो तो पुलिस कानून के अनुसार उसे प्रतिबंधित कर सकती है, लेकिन किसी समूह को स्थायी रूप से गतिविधियां रोकने का निर्देश देना असंवैधानिक है। सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने तर्क दिया कि यह निर्णय कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए था, क्योंकि कुछ इलाकों में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएँ हुई थीं। मगर अदालत ने माना कि सामान्य स्थिति में सभी संगठनों को समान अधिकार प्राप्त हैं और केवल आशंका के आधार पर इस तरह की नीति लागू नहीं की जा सकती। जस्टिस नागाप्रसन्ना ने आदेश देते हुए कहा कि ऐसी रोक निरंकुश शासन की दिशा में पहला कदम बन सकती है। इसलिए जब तक सरकार कोई ठोस संवैधानिक या कानूनी औचित्य नहीं बताती, आदेश अमान्य माना जाएगा। राज्य की कांग्रेस सरकार पर विपक्ष ने भी निशाना साधा है। भारतीय जनता पार्टी और अन्य संगठन इसे 'विचारधारा पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश' बता रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने कहा है कि कांग्रेस सरकार अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत संघ जैसी राष्ट्रवादी संस्थाओं को निशाना बना रही है, जिन्हें देश के सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की नींव कहा जाता है। वहीं सामाजिक संगठनों ने भी सरकार से पूछा है कि क्या वह भविष्य में अन्य समुदाय आधारित कार्यक्रमों या धार्मिक सभाओं पर भी इसी तरह की पाबंदी लगाएगी। इस पूरे घटनाक्रम से यह संदेश गया है कि राज्य में विधि के शासन और राजनीतिक मंशा के बीच टकराव की स्थिति बनती जा रही है। आरएसएस के कार्यक्रमों पर रोक लगाने का फैसला केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि वैचारिक प्रकृति लिए हुए था, जिसे अदालत ने तुरंत पहचान लिया। अदालत की अंतरिम राहत ने शासन को यह याद दिलाया कि लोकतंत्र में कोई भी सरकार नागरिकों की मूल स्वतंत्रताओं को सीमित नहीं कर सकती। बहरहाल, यह मामला अब व्यापक राजनीतिक विमर्श का विषय बन गया है। जहां एक तरफ सरकार अपनी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक अधिकारों की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ नागरिक संस्थाएं और विपक्ष इसे लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के खिलाफ बताते हैं। हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी ने इस बहस को और तेज कर दिया है।

अब देखना यह होगा कि राज्य सरकार इस मामले में क्या जवाब दाखिल करती है और क्या उसका आदेश अदालत की अगली सुनवाई में ठहर पाता है या नहीं। लेकिन आज के आदेश ने साफ कर दिया है कि बिना संवैधानिक अधिकार के इस तरह की रोक लगाना सत्ता के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है और न्यायपालिका ऐसा कदम कभी स्वीकार नहीं करेगी।

संपादकीय

बेरोजगारी की बेड़ियां

अमानवीयता की हद पार करती अमेरिका इमिग्रेशन एंड कस्टम इन्फोर्समेंट एजेंसी के संवेदनहीन तौर-तरीकों का त्रास झेलते 54 हरियाणवी युवा शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरे। सुनहरे सपनों की आस लिए अमेरिका गए इन युवाओं ने जिन त्रासदियों का सामना किया, वो उन युवाओं के लिये सबक भी है, जो अपनी योग्यता व क्षमता का मूल्यांकन किए बिना बस विदेश जाने की धुन में लगे रहते हैं। निस्संदेह, इन युवाओं ने बेहतर भविष्य के लिये रिस्क लेने का जज्बा तो दिखाया, लेकिन एजेंटों के छलावे के चलते डंकी रूट पर फिसल गए। इन युवाओं को इस बात का भान नहीं रहा कि घोर दक्षिणपंथी रुझान वाले ट्रंप के शासन में प्रवासियों के साथ कैसी क्रूरता व भेदभाव किया जा रहा है। जिसके चलते उनके साथ अमेरिका में अपराधियों जैसा सुलूक किया है। उन्हें जेल और अपराधियों के लिये बने कैंपों में रखा गया। युवाओं ने आरोप लगाया कि जेलों में गर्मी में हीटर और सर्दी में एसी चलाकर रखा जाता था। शाकाहारियों को मांस दिया जाता था और न खाने पर सिर्फ सूखी रोटी। खेत बेचकर-कर्ज लेकर उज्ज्वल भविष्य के लिये अमेरिका गए युवा अपराधियों की तरह स्वदेश लौटे। समाचार माध्यमों में प्रकाशित चित्रों में इन हताश युवाओं को अपराधबोध से ग्रसित देखा गया। विडंबना देखिए कि कई युवा अपना खेत बेचकर और चालीस-पचास लाख एजेंट को देकर विदेश गए, लेकिन डंकी रूट में धकेल दिए गए। उस खतरनाक रास्ते पर जहां हर पल मौत का खतरा बना रहता है। परिवार वालों को इस बात का सुकून जरूर होगा कि कम से कम उनके बच्चे सकुशल तो घर लौट आए है। वो बात अलग है कि इन युवाओं को अपने असफल प्रयास का मलाल जीवनपर्यंत सालता रहेगा। कुछ युवा इससे अवसादग्रस्त हो सकते हैं। कुछ हताश युवा भटकाव की राह में गुजर सकते हैं। निश्चय ही यह घटनाक्रम इन युवाओं के लिये एक त्रासदी से कम नहीं रहेगा। सुखमय जीवन की आस ने नारकीय जीवन जीने को मजबूर कर दिया। वे बेड़ियों में देश लौटे। बहरहाल,इन युवाओं की अपमानजनक वापसी कई ज्वलंत सवालों को भी जन्म देती है। यह हमारी नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार काम नहीं दे पा रहे हैं। हम कहते नहीं थकते कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। सवाल यह है कि इस युवा शक्ति को दिशा देने के लिये हमने क्या किया? तमाम प्रलोभन व लोकलुभावने वादे करने वाले राजनीतिक दलों की प्राथमिकता युवाओं को रोजगार देना क्यों नहीं होती? सिर्फ चुनाव आने पर करोड़ों रोजगार देने के वादे तो किए जाते हैं,लेकिन सत्ता में आने के बावजूद वे पूरे नहीं होते। दोष हमारी शिक्षा व्यवस्था का भी है जो डिग्री तो देती है, लेकिन रोजगार की गारंटी नहीं देती। दोष हमारी युवा पीढ़ी की उस मानसिकता का भी है जो सिर्फ नौकरी और उसमें भी सरकारी नौकरी को प्राथमिकता देती है। निजी क्षेत्र भी सिर्फ मुनाफे को प्राथमिकता देता है और तकनीक के जरिये रोजगार के अवसरों में कटौती को प्राथमिकता देता है। ऐसे देश में, जहां आबादी आज दुनिया में सबसे ज्यादा है, हमें श्रम प्रधान उद्योगों को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिसमें अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। कायदे से देश में बेरोजगारी का ग्राफ देखते आने वाले दशकों के लिये रोजगार का रोडमैप बनना चाहिए। लेकिन सत्ता भी सस्ती लोकप्रियता वाले कामों के जरिये अपना वोट बैंक सुधारने में लगी रहती है। यहां सवाल युवाओं व अभिभावकों की सोच का भी है, जो खेत बेचकर बेटे को विदेश भेजने की फिराक में रहते हैं। जितना पैसा उन्होंने विदेश भेजने वाले एजेंटों को दिया, उसमें क्या वे स्वरोजगार नहीं कर सकते थे? माना कि आज खेती-किसानी युवाओं को नहीं लुभाती, लेकिन वे इस खेत पर गैर परंपरागत खेती व फल-फूल आदि नकदी फसलों के विकल्प तो तलाश सकते हैं। सवाल हमारी प्रवर्तन एजेंसियों पर है कि क्यों युवाओं को विदेश भेजने वाले एजेंटों पर कार्रवाई नहीं करती, जो लाखों रुपये लूटकर इन्हें नर्क में धकेल देते हैं।

बिहार के बजट से चार गुना बड़े तेजस्वी के वायदे

संजय सक्सेना
लखनऊ

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तारीख नजदीक आ रही है। 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा और 14 को नतीजे आ जाएंगे। इस बीच तमाम दलों के नेता वोटरों को लुभाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। हर दल की तरफ से दावों और वायदों की खैरात बांटने की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं,लेकिन इसमें महागठबंधन में शामिल सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सभी हदें पार कर दी हैं। राजद की बैसाखी के सहारे बिहार में अपनी जड़ें तलाश रही कांग्रेस भी राजद के साथ सुर में सुर मिला रही है। राजद नेता और महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव के चुनावी वादों की झड़ी ने बिहार में सियासी हलचल मचा दी है। उन्होंने हाल ही में जिन योजनाओं और रियायतों का वादा किया है, उनकी कुल अनुमानित लागत बिहार के मौजूदा वार्षिक बजट से लगभग चार गुना अधिक बताई जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वादे आर्थिक व्यवहार्यता के दायरे में आते हैं या फिर यह केवल जनता को लुभाने की एक रणनीति है। विपक्षी दल और कई अर्थशास्त्री अब खुलकर कह रहे हैं कि यह खैरात बांटने की राजनीति बिहार को आर्थिक संकट की ओर ले जा सकती है।

तेजस्वी यादव ने अपने हालिया जनसभाओं और घोषणाओं में युवाओं को लाखों नौकरियों, छात्रों को मुफ्त लैपटॉप, किसानों की कर्जमाफी, हर गरीब को भत्ते जैसी कई मनलुभावन योजनाओं की घोषणा की है। उनकी पार्टी की तरफ से यह दावा किया जा रहा है कि यह सब न्याय का रोजगार और विकास का अधिकार के तहत आने वाली योजनाएं हैं, जो सत्ता में आने पर प्राथमिकता पर लागू की जाएंगी। परंतु यही दावे अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गए हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि बिहार पहले से ही राजस्व संग्रहण में पिछड़ा हुआ राज्य है। राज्य की कुल आय मुख्यतः केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदानों और टैक्स शेयरिंग पर निर्भर करती है। पटना विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त अर्थशास्त्री प्रो. अजय नारायण सिंह का कहना है, तेजस्वी यादव के वादों की कुल लागत करीब चार लाख करोड़ रुपये से ऊपर बैठती है, जबकि बिहार का वार्षिक बजट मुश्किल से 2.60 लाख करोड़ रुपये का है। ऐसे में यदि उन्होंने जो कुछ कहा है, उसे लागू करना हो तो राज्य को या तो भारी-भरकम कर्ज लेना पड़ेगा या फिर विकास कार्यों पर खर्च कटौती करनी होगी।

विपक्षी नेताओं का रुख और भी आक्रामक है। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कहना है कि तेजस्वी यादव यह मानकर चल रहे हैं कि बिहार की जनता केवल झूठे वादों पर वोट देगी। जिन योजनाओं की वह बात कर रहे हैं, वे राज्य की आर्थिक क्षमता से बाहर हैं। यह वादे नहीं, दिवास्वप्न हैं। वहीं जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, जिस व्यक्ति ने 18 महीनों में एक भी वादा पूरा नहीं किया और अब फिर वही पुराने जुमले दोहरा रहे हैं, उससे जनता अब भ्रमित नहीं होगी। वादे तभी पूरे होते हैं जब नीयत और नीति दोनों साफ हो। तेजस्वी यादव और महागठबंधन की तरफ से भी सफाई दी जा रही है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि तेजस्वी यादव ने युवाओं को रोजगार देने का जो संकल्प लिया है, वह बिहार की वास्तविक जरूरत है। नीतीश कुमार की सरकार ने जो कुछ नहीं किया, उसे अब पूरा करना तेजस्वी की जिम्मेदारी है। बजट का सवाल बाद में देखा जाएगा, लेकिन राजनीति जनभावना से चलती है, कागजी गणित से नहीं। हालांकि, जानकारों का मानना है कि राजनीतिक घोषणाओं का यह तरीका बिहार में कोई नया नहीं है। हर चुनाव से पहले पार्टियां मुफ्त योजनाओं, नौकरियों और नकद सहायता का वादा करती हैं। लेकिन नए आंकड़ों और राज्य के आर्थिक ढांचे को देखते हुए, बिहार वर्तमान में ऐसी किसी आर्थिक अति का बोझ उठाने में सक्षम नहीं दिखता। बिहार की प्रति व्यक्ति आय अब भी राष्ट्रीय औसत से आधी है, और बेरोजगारी दर देश में शीर्ष पर बनी हुई है। दिलचस्प यह है कि तेजस्वी यादव का यह अभियान युवा वर्ग और गरीब तबके के बीच तेजी से लोकप्रिय होता दिख रहा है। सोशल मीडिया पर उनके वादे वायरल हैं और बड़ी संख्या में युवाओं ने इसे बदलाव का ब्लूप्रिंट कहा है। इस जनसमर्थन को देखकर भाजपा और जदयू दोनों ही सतर्क दिखाई दे रहे हैं। जबकि कांग्रेस और वाम दलों के सहयोग से महागठबंधन ने इस बार जनता को सीधा आर्थिक लाभ देने वाला एजेंडा अपनाया है। बिहार की अर्थव्यवस्था पर नजदीकी नजर रखने वाले पूर्व वित्त अधिकारी राजीव रंजन का कहना है कि राजनीतिक दृष्टि से ऐसे वादे शॉर्ट टर्म में प्रभावी हो सकते हैं, लेकिन आर्थिक दृष्टि से यह फिस्कल डिसिप्लिन को खत्म करने वाला कदम होगा। राज्य यदि मुफ्तखोरी के चक्कर में फंस गया, तो अगले पांच वर्षों में वित्तीय घाटा दोगुना हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार को दीर्घकालीन रणनीति चाहिए जैसे उद्योगों में निवेश, शिक्षा और कौशल विकास केवल खैरात पर आधारित चुनावी घोषणाएं नहीं। दूसरी ओर, जनता के एक हिस्से में यह सोच तेजी से पनप रही है कि भाजपा और जदयू के लंबे शासन में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आया, इसलिए तेजस्वी को मौका दिया जाना चाहिए। अररिया के एक किसान नेता रामसागर यादव कहते हैं, सरकारें तो पहले भी आईं, पर गरीब को कुछ नहीं मिला। अगर तेजस्वी कुछ वादा कर रहे हैं, तो उसे मौका देना चाहिए। अगर वह झूठे साबित हुए, तो अगली बार जनता जवाब दे देगी।

यह प्रतिक्रिया बताती है कि बड़ी जनसंख्या अब भी वादों के गणित से ज्यादा भावनात्मक आशाओं में विश्वास रखती है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि तेजस्वी यादव के वादों ने बिहार में न केवल आर्थिक विमर्श को जन्म दिया है, बल्कि यह चुनावी परिदृश्य को भी नई दिशा दे रहे हैं। जहां विरोधी इसे आर्थिक आत्मघात बता रहे हैं, वहीं समर्थक इसे जनता की आवाज कह रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या बिहार की जनता इस बार वादों से परे जाकर यथार्थवादी विकल्प चुनेगी या एक बार फिर वही भावनात्मक राजनीति हावी रहेगी? और यदि तेजस्वी यादव सचमुच सत्ता में आते हैं, तो क्या वह अपने वादों को वास्तविक धरातल पर उतार पाएंगे या यह केवल बिहार की चुनावी सियासत का एक और सपनों का पुल साबित होगा। इसका जवाब 14 नवंबर को मिल जाएगा, जब चुनाव के नतीजे सामने आएंगे।

कविता

अशोक पटेल
आशु तुम्मा,
शिवरीनारायण(छ ग)

चल अंजोर करव रे संगी

चल अंजोर करव रे संगी
चल अंजोर करव रे
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे
सुम्मत के दीया बारव,धरती ल सुग्घर बनावव
मनखे-मनखे म तुमन पिरीत मया ल जगावव।
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे

सुग्घर दिन हर अब आगे,सबके हे भाग जागे
कोनो नइये अब लांघन,सबो तन हे मनभावन।
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे

खेत-खार हरियर लागे झमझम ले धानी लागे
बखरी-बारी मन-भावन भाजी पाला हर जागे
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे

दमके हे अब घर आँगन,धनहा बनगे हे पावन
लक्ष्मी दाई हर साजे,कोठी हर अनपूर्णा लागे।
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे

गाँव-गाँव अब बनगे शहर,सुग्घर लागे हे नगर
खोर गली रद्दा हर बनगे,चौंक चौपाला सजगे।
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे

दया-मया प्रीत बाँटव,दुखिया के दुख हर जावव
गिरे परे मनखे बर तुमन,सुख के संगी बन जावव।
चल सोर करव रे संगी
चल सोर करव रे

संबंधों की टूटती मर्यादा, आखिर दोषी कौन?

डॉ. फ्रौज़िया नसीम शाद

आज जिस तीव्रता के साथ हमारे नैतिक और सामाजिक मूल्यों में गिरावट आ रही है, वह वास्तव में गंभीर चिंता का विषय है। रिश्तों को कलंकित करती घटनाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं, जो हमारे समाज में अमर्यादित संबंधों की वृद्धि को दर्शाती हैं। ऐसे अवैध रिश्ते न केवल रिश्तों की मर्यादा और गरिमा को आहत करते हैं, बल्कि उन पर हमारे विश्वास की नींव को भी हिला देते हैं। आजकल समाचार पत्रों में प्रतिदिन ऐसी घटनाओं की सुर्खियाँ देखने को मिलती हैं जिन्हें पढ़कर सिर शर्म से झुक जाता है। कहीं सगा मामा भांजी से विवाह कर आत्महत्या कर लेता है, कहीं पिता अपनी पुत्री का यौन शोषण करता है, तो कहीं पति अपनी पत्नी को बेच देता है। ऐसे असंख्य उदाहरण हैं जो रिश्तों की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। हमारे सभ्य समाज में इन अमर्यादित रिश्तों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए, फिर भी इनकी जड़ें धीरे-धीरे फैलती जा रही हैं। यह अत्यंत गंभीर चिंतन का विषय है। वास्तव में जब समाज के नैतिक मूल्यों और आचार नियमों को कुछ दूषित एवं विकृत मानसिकता वाले लोग तोड़ते हैं,तभी ऐसी घटनाएँ सामने आती हैं। परंतु हम केवल कुछ व्यक्तियों की मानसिक विकृति को दोष देकर इससे पल्ला नहीं झाड़ सकते। इस समस्या की उत्पत्ति के अनेक कारण हैं...तेज़ रफ़्तार जीवनशैली, समय का अभाव, आपसी रिश्तों में संवेदनहीनता, संयुक्त परिवारों का विघटन, अश्लील साहित्य, इंटरनेट पर सहजता से उपलब्ध पोर्न साइट्स, टीवी और वेब सामग्री की अशालीनता, सीमित घरेलू परिवेश, तथा परिवार में बच्चों के साथ संवाद की कमी आदि। इसके अतिरिक्त, बच्चों को रिश्तों का महत्व और मर्यादा न सिखाना भी इस समस्या को बढ़ाने वाला प्रमुख कारण है। समाज में ऐसे रिश्तों का अस्तित्व न पनपे, इसके लिए हमें रिश्तों की गरिमा और मर्यादा का विशेष ध्यान रखना होगा। परिवार में बच्चों को संस्कारित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें रिश्तों के सम्मान का अर्थ भी समझाना होगा। बच्चों से हर विषय पर खुलकर संवाद स्थापित करना आवश्यक है। सैक्स से जुड़े प्रश्नों का शालीनता के साथ तार्किक उत्तर देना चाहिए, न कि भ्रमित कर उनकी जिज्ञासाओं को और बढ़ाना। बच्चे अपने माता-पिता का आईना होते हैं, अतः यह हमारा कर्तव्य है कि उनके समक्ष अमर्यादित वार्तालाप या व्यवहार से बचें,क्योंकि ऐसा करने से उनके को अंततः यह याद रखना चाहिए कि समाज बनता हमसे ही है, इसलिए अगर हम अपने घर से ही नैतिकता,मर्यादा और सम्मान का वातावरण बनाएँगे,तो समाज की दिशा अवश्य सुधरेगी।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

ईमानदारी के रिफ्यूजी

इन दिनों सदुण मंत्रालय में जो हड़कंप मचा है, वैसा तो स्टॉक मार्केट क्रैश होने पर भी नहीं मचता। मंत्रालय के सेक्रेटरी, श्री सत्यनिष्ठ जी, अपने ऑफिस में दिन में चार बार बीपी की गोली खा रहे हैं और उनके असिस्टेंट,पी.ए. पुण्य आत्मा का तो हाल ही बेहाल है। उनका सुपर-कंप्यूटर, कैरेक्टर-एनालाइज़र 5.0, बार-बार एरर दिखा रहा है। वजह? आर्यावर्त से आने वाला कन्फ्यूजिंग डेटा। वहाँ एक नई फिलॉसफी चल पड़ी है - ईमानदारी इज़ अ चॉइस,नॉट अ ज़रूरत। सत्यनिष्ठ जी अपने असिस्टेंट पर चिल्ला रहे थे,पुण्य आत्मा,व्हाट इज़ दिस नॉनसेंस? हमारा डेटाबेस कहता है कि रमेश बाबू नाम का आदमी कैटेगरी-ए का ईमानदार है पर आर्यावर्त का सिस्टम उसे कैटेगरी-एफ का फेलियर बता रहा है। हम उसे सर्टिफिकेट ऑफ़ ऑनेस्टी दें या लेटर ऑफ़ कंडोलेंस? मामला इतना कॉम्प्लिकेटेड हो गया है कि मंत्रालय की लीगल टीम ने इस्तीफ़ा देने की धमकी दे दी है, कह रहे हैं कि आर्यावर्त की प्रैक्टिकल-फिलॉसफी समझना उनके बस की बात नहीं। इसी घनघोर कन्फ्यूज़न के बीच एक नई फाइल सत्यनिष्ठ जी की मेज पर धड़ाम से आकर गिरी। फाइल का कवर बदरंग था और उस पर लिखा था...केस नंबर 420: रमेश बाबू - द खूँटी वाला। सत्यनिष्ठ जी ने फाइल खोली और पहले पन्ने पर लिखी रिपोर्ट पढ़कर उनका सिर चकरा गया। उन्होंने चश्मा उतारकर पुण्य आत्मा से पूछा, यह क्या है? रमेश बाबू को उसकी ईमानदारी की वजह से अयोग्य करार दे दिया गया? और उसकी बेटी बिना इलाज के मर गई क्योंकि उसने वज़न उठाने से मना कर दिया? यह कौन-सा नया कर्म-सिद्धांत है आर्यावर्त में? पुण्य आत्मा ने एक लंबी साँस ली, सर, यही तो प्रॉब्लम है। आर्यावर्त में अब ईमानदारी एक म्यूज़ियम की चीज़ बन गई है, जिसे लोग दूर से देखते हैं, सराहते हैं, पर घर नहीं ले जाते। रमेश बाबू उसे अपने कोट के साथ रोज़ दफ्तर ले जाते थे और अपनी खूँटी पर टाँग देते थे। सत्यनिष्ठ जी ने अपने सबसे अनुभवी और वर्ल्डली-वाइज़ इंस्पेक्टर, मिस्टर प्रैक्टिकल को भेजा। मिस्टर प्रैक्टिकल जब वापस लौटे तो उनका चेहरा देखने लायक था। उन्होंने सत्यनिष्ठ जी को सैल्यूट मारा और बोला, सर, सीन बहुत मेस्ड-अप है। दैट खूँटी वॉज़ नॉट जस्ट अ खूँटी, इट वॉज़ अ सिंबल। रमेश बाबू के क्लीग्स कहते थे, रमेश बाबू, इसी खूँटी पर अपनी ईमानदारी भी टाँग देते हैं, घर ले जाने में भारी लगती होगी। सर, जब एक ठेकेदार ने उसे मोटी रिश्वत ऑफर की, तो उसने यह कहकर मना कर दिया कि मेरी खूँटी कमज़ोर है, यह वज़न नहीं सह पाएगी। सर, कैन यू इमेजिन? द मैन चोज़ अ खूँटी ओवर हिज़ डॉटरस लाइफ!

तो उसकी बेटी का क्या हुआ? सत्यनिष्ठ जी ने पूछा। सर,शी डाइड, मिस्टर प्रैक्टिकल ने सपाट आवाज़ में कहा। और उसके बाद रमेश बाबू ने कुछ ऐसा किया जो हमारे किसी भी कैरेक्टर-मैनुअल में नहीं लिखा। वह अगले दिन ऑफिस गया, उस खूँटी को दीवार से उखाड़ा, अपनी जेब में रखा और कहा,साहब, अब इसकी ज़रूरत नहीं। जिस ईमानदारी को इस पर टाँगता था, कल रात उसे अपनी बेटी के साथ जला आया। और फिर वह गायब हो गया। नोबडी हैज़ सीन हिम सिंस। यह सब सुनकर सत्यनिष्ठ जी ने अपना सिर पकड़ लिया। मतलब, आर्यावर्त का सिस्टम इतना क्रूर हो गया है कि वह एक ईमानदार आदमी को अपनी ईमानदारी जलाने पर मजबूर कर देता है? और फिर उसे गायब भी कर देता है? तो अब हम क्या करें? उसे शहीद-ए-ईमानदारी घोषित करें या भगोड़ा? अंत में, सत्यनिष्ठ जी ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। उन्होंने रमेश बाबू की फाइल पर एक नया स्टैम्प लगवाया, जिस पर लिखा था-केस क्लोज्डः सब्जेक्ट लॉस्ट इन द सिस्टम। उन्होंने पुण्य आत्मा को निर्देश दिया कि कैरेक्टर-एनालाइज़र 5.0 में एक नई कैटेगरी बनाई जाए-ईमानदारी के रिफ्यूजी। इस कैटेगरी में उन लोगों को रखा जाएगा,जिनकी ईमानदारी को आर्यावर्त का सिस्टम बर्दाश्त नहीं कर पाया और उन्हें अपनी पहचान मिटाकर गुमनामी में जीने पर मजबूर कर दिया। सत्यनिष्ठ जी ने अपनी कुर्सी पर पीछे टिकते हुए कहा, छोड़ दो इस केस को। यह आत्मा हमारे ज्यूरिस्डिक्शन से बाहर है। आर्यावर्त में गरीब की ईमानदारी भी कोई ईमानदारी है लल्लू!

सुविचार

बिजली गिरने से पेड़ टूटता है, लेकिन जड़ें मजबूत हों तो तूफान भी झुक जाता है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

श्रद्धालुओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर की सूख-समृद्धि की कामना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
लोक आस्था का महापर्व चार दिवसीय छठ मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर संपन्न हो गया। कठिन उपासना का यह पर्व पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अल सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं ने छठ घाटों पर पहुंचना शुरू कर दिया था। सूर्य उदय होने से पहले ही श्रद्धालुओं ने नदी, तालाबों के ठंडे पानी में स्नान किया। जैसे ही भगवान भास्कर उदीयमान हुए लोगों ने अर्घ्य देना शुरू कर दिया। अर्घ्य देने का सिलसिला सुबह 7.30 बजे तक चलता रहा। भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद छठ घाटों पर श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन किया और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। इसके बाद श्रद्धालु अपने घर पहुंचे कर अन्न-जल ग्रहण कर 36 घंटे का कठिन व्रत तोड़ा। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व शनिवार को नहान-खान के साथ प्रारंभ हुआ था। जो मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हो गया। सोमवार की शाम व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया था। छठ को लेकर शहर के शंकर घाट, घुनघुट्ठा नदी सहित लगभग एक दर्जन से ज्यादा छठ घाटों पर बड़े ही उत्साह व उमंग के साथ छठ व्रत मनाया गया। सभी छठ घाटों पर समितियों द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं।

दंडवत देते हुए पहुंचे छठ घाट

छठ व्रत अटूट आस्था का पर्व है। मान्यता है कि छठ व्रत करने पर लोगों की सारी मन्नतें पूर्ण होतीं हैं। ऐसे में श्रद्धाल अपने घर से ही दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे।

सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था

छठ घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही। सबसे ज्यादा भीड़ शंकरघाट में देखने को मिली। यहां पुलिस द्वारा काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल की पार्किंग एवं संजय पार्क बैरियर से तकिया मोड़ तक चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया था।

शंकरगढ़ में बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छठ का महापर्व

-संवाददाता-
शंकरगढ़,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
विकासखण्ड शंकरगढ़ में छठ महापर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने शंकरगढ़ की महान नदी के छठ घाट पर सूर्य उपासना करते हुए शाम और प्रातःकालीन सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया। छठ घाट को आकर्षक रूप से सजाया गया था। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राजकिशोर गुप्ता द्वारा संपूर्ण घाट की साज-सज्जा करवाई गई। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दोहना से लेकर शंकरगढ़ महान नदी छठ घाट तक की सड़क को टैंकर के माध्यम से साफ कर धोया गया, जिससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ और सुगंधित वातावरण प्राप्त हो सके। अर्घ्य के पश्चात व्रतियों ने परंपरानुसार प्रसाद ग्रहण किया।

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद : शंकरगढ़ पुलिस निरीक्षक जितेन्द्र जायसवाल के निर्देशन में मुख्यालय के सभी चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी रखी गई, ताकि श्रद्धालुओं और व्रतियों को आवाजाही में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एक ही रात अलग-अलग सडक़ हादसे में दो सगे भाई की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
अंबिकापुर-बनारसम मार्ग पर स्थित चठिरमा पेट्रोल पंप के पास सोमवार की रात तेज रफ्तार बाइक सवार सडक़ किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा टकराया। हादसे में युवक की मौत मौके पर ही हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर मृतक का छोटा भाई ग्राम केवरी स्थित अपने घर से स्कूटी से अंबिकापुर आ रहा था। रास्ते में कार से स्कूटी की टक्कर हो गई। दुर्घटना में वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया। बिलासपुर पहुंचते ही युवक की मौत हो गई। एक ही दिन सडक़ हादसे में दो सगे भाइयों की मौत से परिजन सदमे में है। जानकारी के अनुसार योगेन्द्र पैकरा पिता स्व. अमरेश सिंह पैकरा उम्र 33 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम केवरी का रहने वाला था। वह अंबिकापुर स्थित गांधीनगर में रहकर प्राइवेट काम करता था। सोमवार को किसी काम से बाइक से लटोरी गया था। वहां से वापस लौटने के दौरान रात करीब 9.30 बजे चठिरमा पेट्रोल पंप के पास पहुंचा ही था कि सडक़ किनारे खड़े ट्रक के पीछे बाइक जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गांधीनगर पुलिस ने शव को पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया और हादसे की जानकारी परिजन को दी। जानकारी मिलने पर मृतक का छोटा भाई तुसन पैकरा उम्र 23 वर्ष ग्राम केवरी से स्कूटी से अंबिकापुर आ रहा था। रास्ते में लटोरी के पास पहुंचा ही था कि कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। दुर्घटना में तुसन गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए रायपुर रेफर कर दिया। परिजन निजी एंबुलेंस से सुबह करीब 5 बजे रायपुर के लिए निकले पर बिलसपुर पहुंचते ही युवक ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल से रायपुर रेफर किए जाने पर परिजन एंबुलेंस के लिए काफी मशक्कत की पर समय पर न जो मेडिकल कॉलेज अस्पताल से और न जी निजी एंबुलेंस मिला। क्यों कि उसे वेंटिलेटरयुक्त एंबुलेंस की आवश्यकता था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पास मात्र 1 वेंटिलेटरयुक्त एंबुलेंसे है। जो उपलब्ध नहीं था। वहीं परिजन निजी एंबुलेंस भी तलाशते रहय पर समय पर वेंटिलेटरयुक्त एंबुलेंस की कमी के कारण नहीं मिल पाया।

सूचना पर पुलिस ने चार भैंसों को मारते-पिटते ले जा रहे आरोपियों को किया गिरफ्तार,कार्यवाही कर भेजा न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-
सामरी,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के सामरी पुलिस ने चार नग भैंसों को मारते-पिटते हांकते ले जा रहे आरोपियों को सूचना पर मौके पर पहुंच कर आरोपियों को गिरफ्तार कर छ.ग. पशु.परि. अधि.2004 की 4.6.10 पशु क्रुरता निवारण अधि.160 की धारा 11(1) के तहत कार्यवाही कर आरोपी सरफुद्दीन अंसारी उर्फ बंगलू पिता स्व. फजल हक उम्र 50 वर्ष साकिन कुसमी बाजार पारा थाना सुरागी जिला बलरामपुर-गज

मुजाहिर अंसारी उर्फ गजड़ा पिता स्व ननकू अंसारी उम्र 62 वर्ष साकिन भूलगी कला छापरटोली थाना कुसमी जिला बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)मन्दीर राजवाडे पिता महती राजवाडे उम्र 35 वर्ष साक्रिन भूलसीकता छापरटोली थाना कुसमी जिला बलरामपुर-रा.गंज (छ.ग.)इमामुद्?दीन अंसारी पिता स्व. रखीम हक मियां उम्र 62 वर्ष निवासी लोक्या थाना चौनपुर जिला पलामू (झारखण्ड) को अपराध पंजीबद्ध कर भेजा न्यायिक रिमांड पर। जानकारी के अनुसार प्रार्थी दुलारचन्द कश्यप पिता मानिकचन्द कश्यप उम्र 40 वर्ष साकिन घुटईपाठ थाना सामरीपाठ जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.) का थाना उपस्थित आकर एक जिवित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 24.10.2025 को में शाम करीब 5-6 बजे आलु खोदवा रहा था कि एक व्यक्तित 04 रास भैसो को लाठी डांड से मारते पिटते भगाते हुए ले जा रहा था तब में गांव के सबभार एवं आलु खेत में काम करने वाले ग्राम छापरटोली के कृष्णा नाग सिदरथ नमेगेसिया एंव गांव के अन्य व्यक्ति इकट्ठा हो गये और भैंसा ले जा रहे आदमी को रोककर पूछ ताछ किया किसका भैंसा है, और तुम्हारा क्या नाम है पुछ-ताछ करने पर भैंसा हांक कर ले जा रहे व्यक्ति ने अपना नाम घन्दिर राजवाडे पिता महली राजवाडे ग्राम भुलसी छापर टोली का होना बताया और कहा कि यह भैंसा नेता सरफुददीन (बगालू) और मोजाहिर अंसारी का है। मोजाहिर के कहने पर मजदुरी 500 रूपये में मुझे ग्राम रिंगदाम तक पहुंचाने के लिए बोले है, बताया हम लोग 04 नग भैंसा के साथ एक आदमी को पकड़ कर रखे है। तभी पीछे से मोजाहिर अंसारी मोटरसाईकल क्र. C.G 15 DE 5301 से मवेशी तस्कर सरफुददीन आया तो उन्हे भी पकड़कर रखे है, प्राथी के लिखित रिपोर्ट पर आरोपियों का कृत्य प्रथम दृष्टया धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, बलरामपुर पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव के दिशा निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी एसडीओपी इम्मानुएल लकड़ा के मार्ग दर्शन पर विवेचना दौरान घटना स्थल निरीक्षण कथन गवाहन जपटी कार्यवाही कर आरोपियों का मेमोरेण्डम कथन लेकर आरोपियों के विरुद्ध सदर धारा कर अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से आरोपियों पर अपराध अपराध पंजीबद्ध कर दिनांक 27.10. 2025 के क्रमशः 12.40. 12.45, 12:50, 13.00 बजे गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार की सूचना उनके परिजनों को देकर मुख्य आरोपी चरफुद्दीन उर्फ बंगलू का अपराधिक रिकार्ड थाना कुसमी के अप.क्र. 123/2023 धारा छ. म. कृषक पशु परिश्रधि की धारा 5.8.10, अप.क्र. 10/2025 धारा 4.8.10 छ.ग. कृषक पशु परिअधि. व पशु कुराता निमा अधि. 11 (क), एवं आरोपी इमामुद्दीन अंसारी का अपराधिक रिकार्ड थाना कोरंधा में अपक 21/2022 34 भादवि धारा 4.6.10 छ.ग. कृषक पशु परिअधि व पशु क्रूरता निवा अधि. 11 (क), का अपराध पंजीबद्ध कर पाया गया है। मामला अजमानतीय होने से आरोपियों का चेक लिस्ट भरकर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह. स.उ.नि. आनन्द मसीह तिर्की, प्रआर संजय साहू आरक्षक ओमकार रजक धर्मेन्द्र सोनी, रविन्द्र कुमार आदि कार्यवाही शामिल रहे।

घर में घुसकर चोरों ने पार किए रुपए व अन्य सामान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
घर के अंदर घुसकर चोरों ने अलमारी का लॉक खोलकर 11 हजार रुपए नकदी व अन्य सामान पार कर दिया है। दुकान संचालक ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार रविशंकर गुप्ता उम्र 30 वर्ष बिलासपुर रोड साडबार नाका थाना मणिपुर का रहने वाला है। 27 अक्टूबर की रात को रविशंकर चाय गुमटी में था। घर में केवल इसकी मां थी जो सो रही थी। सुबह करीब 4 बजे रविशंकर घर पहुंचा और अपने कमरे में गया तो अलमारी खुली हुई थी और 11 हजार रुपए नकदी व अन्य सामान नहीं थे। कुल चोरी 15 हजार रुपए की बताई जा रही है। वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

माननीय तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सूरजपुर ने अंधे कत्ल के आरोपियों को दी आजीवन कारावास की सजा

डॉग स्क्वाड,लास्ट सीन थ्योरी और कॉल डिटेल बने सजा के मुख्य आधार

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
मामले में दिनांक 03.01.2024 को ग्राम नमदगिरी निवासी नरेश देवांगन ने थाना सूरजपुर में सूचना दिया कि सुनील देवांगन दिनांक 02.01.2024 के शाम 7 बजे घुमने निकलने पश्चात् रात भर घर नहीं आने पर सबेरे 8 बजे करीब विजय शौच करने सोहन के खेत तरफ गया था तो देखा कि खेत में एक व्यक्ति को पड़े हालत में मिलने पर सरपंच पति के जाकर देखने पर सुनील देवांगन का शव होना ज्ञात होने की सूचना पर मर्ग क्रमांक 01/2024 कायम कर

शव का पीएम कराया गया जो डॉक्टर के द्वारा शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृत्यु की प्रकृति हत्यात्मक लेख किए जाने पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 04/2024 धारा 302 भादवि. का पंजीबद्ध कर विवेचना की गई। मामले की विवेचना निरीक्षक थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे के द्वारा की गई। विवेचना दौरान मौके पर डॉग स्क्वाड की सहायता लेने पर डॉग मास्टर द्वारा मृतक सुनील देवांगन के कमरे में एवं पत्नी लक्ष्मी देवांगन की ओर इंगित करने एवं मुखबीरों द्वारा भी मृतक की पत्नी लक्ष्मी देवांगन तथा रामकुमार के साथ संबंध होने की सूचना पर लक्ष्मी देवांगन से पूछताछ पर उसने जुर्म स्वीकार कर बताया कि उसका रामकुमार से संबंध होने एवं इसके बारे में पति सुनील को शक होने पर झगड़ा-विवाद करने, दोनों के द्वारा सुनील को मारने की योजना बनाकर गमछा से सुनील के गले को दबाकर हत्या करना एवं लाश को कुछ दूर ले जाकर खेत में लिटा दिया।

महाराजा अग्रसेन के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी असोभनीय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
रायपुर में अमित बघेल द्वारा महाराजा अग्रसेन पर विवादित टिप्पणी किए जाने पर अग्रवाल समाज आक्रोशित है। मंगलवार को अग्रवाल महासभा अंबिकापुर द्वारा कोतवाली पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और ज्ञापन सौंपकर अमित बघेल पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। अग्रवाल महासभा के शुभम अग्रवाल ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व रायपुर में अज्ञात व्यक्ति द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा तोड़ी गई थी।

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 का शुभारम्भ

खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं : प्रबोध मिंज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 25 वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025 का आज भव्य शुभारंभ अंबिकापुर के मल्टीपरपज स्कूल मैदान में हुआ। चार दिवसीय यह खेल महाकुंभ 28 से 31 अक्टूबर तक आयोजित होगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न संभागों से दुर्ग, रायपुर, बस्तर, बिलासपुर और मेजबान सरगुजा की टीमें भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन, राजगीत, स्वागत गीत, ध्वजारोहण, गुब्बारा उड्डयन, आतिशबाजी एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद मार्च पास्ट का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व फील्ड मार्शल शोभित दास गुप्ता ने किया। इसके उपरांत अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों को शपथ दिलाकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल हमें अनुशासन और एकता की सीख देते हैं। खेल भावना से खेला गया हर खेल सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। छत्तीसगढ़ में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, जरूरत है तो उन्हें सही दिशा और अवसर देने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि खेल सिर्फ जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि यह युवाओं को संघर्ष, संयम और समर्पण की भावना सिखाता है। आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी ओलंपिक में मेडल जीतें, इसके लिए राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खेल भावना से सभी बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। जीत और हार से बढ़कर महत्वपूर्ण खेल भावना है। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी पूरे प्रदेश से अंबिकापुर आए हैं, आपके ठहरने और सुविधा की पूरी व्यवस्था की गई है। आप खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। इस अवसर पर संगठन सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने प्रतियोगिता की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतियोगिता में फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन और बास्केटबॉल सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 685 खिलाड़ी, 15 स्टेट ऑफिशियल्स, 65 कोच व मैनेजर, कुल मिलाकर 765 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सभी प्रतिभागियों के लिए आवासीय व्यवस्था जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा की गई है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह,वरिष्ठ पार्षद आलोक दुबे,कर्ता राम गुप्ता, संजय अग्रवाल, अम्बिकेश केशरी, सतीश यादव, विजय व्यापारी,स्वरूप कांत थॉमस, चन्दन शुक्ल, संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संजय गुप्ता, प्राचार्य एल.जी. गुप्ता, जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत पाठक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राय, जिला क्रीड़ा अधिकारी विकास सिंह, सहायक संचालक रविशंकर तिवारी, सहायक कार्यक्रम समन्वयक सुनील तिवारी, रविशंकर पांडेय, सुनील सिंह, करुणेश श्रीवास्तव, दिनेश शर्मा, संजीव कुमार सिंह, प्राचार्य शैलेन्द्र सिंह सेंगर, नवनीत त्रिपाठी, आनंदधर दीवान, राजेश प्रताप सिंह, पवनीत गिल सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनीता दास एवं संगीता तिवारी ने किया।

सीएम साय और उनकी धर्मपत्नी ने दुलदुला छठ घाट में डूबते सूर्य को दिए अर्घ्य

प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना,दुलदुला छठ घाट के सौंदर्यीकरण की घोषणा

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय ने आज छठ महापर्व त्यौहार के अवसर पर दुलदुला छठ घाट में डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ पूजा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बड़े ही सौभाग्य का दिन है कि मुझे अपने विधानसभा क्षेत्र में छठ पर्व में शामिल होने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने दुलदुला क्षेत्र वासियों की मांग पर छठ घाट के सौन्दर्य करण की घोषणा की उन्होंने कहा कि अगले छठ पूजा तक दुलदुला छठ घाट का सौन्दर्य करण कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र लोगों के आशीर्वाद से ही विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री बना हूं। क्षेत्र की जनता की समस्याओं को अच्छी तरह से समझता हूं और समाधान भी करते जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि कुनकुरी छठ घाट के लिए लगभग 5 करोड़ 17 लाख की राशि से छठ का घाट का सौन्दर्यकरण किया गया। इस वर्ष के छठ महापर्व में व्रती महिलाएं छठ घाट में पूरे श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना भी कर रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, जनपद पंचायत दुलदुला अध्यक्ष रामकुमार सिंह, आईजी श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह सहित छठ पूजा करने वाली व्रती महिलाएं और जनप्रतिनिधीगण और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

पवित्रता और संयम

यह व्रत अत्यंत कठोर होता है कृ इसमें व्रती (उपासक) पूरी तरह शुद्धता, आत्मसंयम और आस्था के साथ चार दिनों तक उपवास, स्नान, और पूजा करता है। छठ पर्व का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व और एकता का प्रतीक छठ पूजा में समाज के सभी लोग मिलकर घाट सजाते हैं, प्रसाद बनाते हैं और एक साथ पूजा करते हैं।

छठ पर्व का महत्व

छठ पर्व हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र और लोक आस्था से जुड़ा पर्व है, मुख्य रूप से बिहार, झारखंड,पूर्वी उत्तर प्रदेश,नेपाल सहित सभी राज्यों में आस्था श्रद्धा और उत्साह से मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित है।

छठ पर्व का धार्मिक महत्व सूर्य उपासना

सूर्य देव को जीवन,ऊर्जा,और स्वास्थ्य का स्रोत माना गया है। छठ पूजा में सूर्य की आराधना करके श्रद्धालु उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। छठी मैया की पूजा को संतान की रक्षा करने वाली और सुख-समृद्धि देने वाली देवी माना जाता है। महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र और परिवार की खुशहाली के लिए व्रत रखती हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कुनकुरी में विसर्जन तालाब का किया औचक निरीक्षण

तालाब के सौंदर्यीकरण का लिया जायजा,व्यवस्थित और सुविधा पूर्ण रूप से विकसित करने के दिए निर्देश

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कुनकुरी स्थित विसर्जन तालाब का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने छठ महापर्व के अवसर पर तालाब में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा तालाब क्षेत्र का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब को सुसज्जित, व्यवस्थित, आकर्षक और सुविधापूर्ण रूप से विकसित किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छठ पर्व जन आस्था का प्रतीक और लोक संस्कृति के संवर्धन का उत्सव है, अतः इससे जुड़े स्थलों का विकास श्रद्धा, स्वच्छता और सौंदर्य के साथ किया जाना चाहिए। योजना के तहत तालाब के चारों ओर सौंदर्यीकरण के तहत विभिन्न सुविधाएं विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे हों, ताकि श्रद्धालुओं और नागरिकों को स्थायी सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने तालाब परिसर की स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और यातायात नियंत्रण की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह स्थान न केवल धार्मिक श्रद्धा का केन्द्र है, बल्कि कुनकुरी की लोक संस्कृति और पर्यटन दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर इसे स्वच्छ, हरित और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय,स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री रोहित व्यास सहित नागरिकगण एवं अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री साय ने सन्ना पंडरापाठ में तीरंदाजी अकादमी बनाने के लिए एनटीपीसी के साथ किया एग्रीमेंट

20 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से आर्चरी सेंटर होगी स्थापित

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कैम्प कार्यालय बगिया जशपुर में बगीचा विकास खंड के तहसील सन्ना पंडरा पाठ में तीरंदाजी अकादमी बनाने के लिए एनटीपीसी के साथ एग्रीमेंट किया। सीएसआर फंड से 20 करोड़ 53 लाख की लागत से तीरंदाजी अकादमी बनाया जाएगा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास एनटीपीसी के अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन श्री बिलाश मोहंती उप महाप्रबंधक श्री निशांत बंसल, वरिष्ठ प्रबंधक विधी गैरिक गुरु डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज एनटीपीसी द्वारा आर्चरी सेंटर स्थापित किये जाने के लिए 20 करोड़ 53 लाख रुपए की राशि सीएसआर के माध्यम से दी जा रही है मुझे इस बात की खुशी है। उन्होंने कहा की जशपुर क्षेत्र के युवाओं में तीरंदाजी के लिए बड़ी संभावनाएं हैं। इसके लिए सेंटर आरंभ होने से युवाओं को काफी सुविधा होगी। वर्ष 2036 में भारत ने ओलंपिक खेलों के लिए दावेदारी प्रस्तुत की है। हमारी कोशिश होगी कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी अधिकतम संख्या में राष्ट्रीय टीम में हिस्सा लेकर पदक जीतें। यह तब संभव होगा जब हम आर्चरी सेंटर की तरह ही नये प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेंगे, यहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चिन्हांकित कर उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने यह भी घोषणा की है कि जो खिलाड़ी ओलंपिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करेंगे, उन्हें तीन करोड़ रुपए दिये जाएंगे। ऐसे ही रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 2 करोड़ रुपए एवं कांस्य पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लंबित राज्य खेल अलंकरण समारोह पुनः आयोजित कराए और इसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमने खेलो इंडिया के नये सेंटर प्रदेश में आरंभ किये हैं। हमारी कोशिश है कि जनजातीय क्षेत्रों में खेलों की अधोसंरचना का विशेष रूप से विकास हो। हमारा देश हमेशा से तीरंदाजी में अग्रणी स्थिति में रहा है। महाभारत और रामायण जैसे हमारे पवित्र ग्रंथों के नायक भी इस विधा में कुशल रहे हैं इसी परंपरा में आगे बढ़ते हुए प्रशिक्षित खिलाड़ी तैयार करें। उल्लेखनीय है कि सन्ना पंडरापाठ में 10.27 एकड़ भूमि में अकादमी बनाया जाएगा जहां आउटडोर तीरंदाजी रेंज, खिलाड़ियों के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर खिलाड़ियों की सुविधा के लिए भवन, जैविक खेती के लिए छायादार नर्सरी, पुस्तकालय, चिकित्सा केंद्र,कौशल विकास केन्द्र, हर्बल वृक्षारोपण, मैदान आदि शामिल हैं। आर्चरी एक खेल और कला है जिसमें धनुष और बाण का उपयोग करके लक्ष्य पर निशाना लगाया जाता है। यह एक प्राचीन गतिविधि है। धनुष यह एक लचीली वस्तु होती है जिससे बाण को छोड़ा जाता है। बाण नुकीला तीर जिसे लक्ष्य पर छोड़ा जाता है। लक्ष्य जिस पर निशाना लगाया जाता है, आमतौर पर एक गोल आकृति होती है जिसमें अलग-अलग रंग और स्कोर क्षेत्र होते हैं। निशाना लगाने की तकनीक इसमें एकाग्रता, संतुलन और शरीर की स्थिरता बहुत ज़रूरी होती है। भारत में आरचेरी का गहरा इतिहास है। महाभारत और रामायण में भी धनुर्विद्या का उल्लेख है। आधुनिक खेलों में भारत के खिलाड़ी जैसे दीपिका कुमारी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ग्रामीणों की मांग हुई पूरी

सूरजपुर में 11 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से दो सड़कों का निर्माण कार्य प्रारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले के ग्रामीणों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए कुल 11 करोड़ 39 लाख 63 हजार रुपये (1,139.63 लाख रुपये) की लागत से दो प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्यों का आज भूमि पूजन एवं शुभारंभ किया गया। पहला निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से नया कृष्ण मंदिर होकर सिलफिली बनारस रोड तक (5.20 किमी) का है, जिस पर 6 करोड़ 90 लाख 68 हजार रुपये की लागत स्वीकृत की गई है।दूसरा निर्माण कार्य एनएच-43 से नावापारा दुर्गाबाड़ी होकर रवीन्द्र नगर (3.96 किमी) तक सड़क निर्माण का है, जिसकी लागत 4 करोड़ 48 लाख 95 हजार रुपये है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से सैकड़ों ग्रामीण परिवारों को आवागमन की सुविधा, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और जीवन स्तर में सुधार मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव-गांव तक पक्की सड़क और विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। भूमिपूजन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सड़कों की स्वीकृति से क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल रहा।

मुख्यमंत्री साय ने फरसाबहार के विकास के लिए 40.89 करोड़ के 13 कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज फरसाबहार क्षेत्र के व्यापक विकास को नए आयाम देते हुए जनपद पंचायत मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में 40 करोड़ 89 लाख 26 हजार रुपए की लागत के 13 विकासकार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 4 करोड़ 16 लाख 41 हजार रुपए लागत के 4 विकासकार्यों का लोकार्पण और 36 करोड़ 72 लाख 85 हजार रुपए लागत के 9 विकासकार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। इस अवसर पर श्रीमती कौशल्या साय भी मौजूद रही। मुख्यमंत्री ने जिन विकासकार्यों का लोकार्पण किया उनमें 01 करोड़ 81 लाख 32 हजार रुपए लागत के मस्कामारा से होते हुए लवाकेरा मेन रोड तक मार्ग लं. 1.70 कि.मी., 01 करोड़ 29 लाख 56 हजार रुपए लागत के जिला जशपुर के अम्बाकछर पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी., 10 लाख रुपए लागत के आर सी.सी. पुलिया निर्माण, सिंहटोला दीपक घर से मेन रोड़ पहुंच मार्ग पर, ग्राम लावाकेरा और 95 लाख 53 हजार रूपए लागत के जशपुर के मुण्डाडीह पहुच मार्ग लं. 0.90 कि.मी. का निर्माण कार्य शामिल है। इसी तरह उन्होंने 36 करोड़ 72 लाख 85 हजार रुपए लागत के जिन 9 विकासकार्यों का भूमिपूजन किया उनमें 31 लाख 38 हजार रूपए लागत के फिकल स्लज ट्रिटमेंट प्लांट, 23 करोड़ 96 लाख 94 हजार रूपए लागत के पमशाला में सरईटोला पहुंच मार्ग लं. 11.50 कि.मी. का निर्माण कार्य, 01 करोड़ 72 लाख 55 हजार रुपए लागत के फरसाबहार में विश्रामगृह भवन का निर्माण कार्य, 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्रो.मै. आदिवासी बालक छात्रावास कोल्हेनझरिया का भवन निर्माण, 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्रो.मै. आदिवासी बालक छात्रावास फरसाबहार का भवन निर्माण, 01 करोड़ 52 लाख 97 हजार रुपए लागत के प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास लवाकेरा का भवन निर्माण, 01 करोड़ 52 लाख 97 हजार रुपए लागत के प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास पण्डरीपानी का भवन निर्माण, 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्रो.मै. आदिवासी बालक छात्रावास पंडरीपानी का भवन निर्माण कार्य और 01 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपए लागत के प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास तपकरा का भवन निर्माण कार्य शामिल है। इस अवसर पर सांसद श्री राधेश्याम राठिया, विधायक श्रीमती गोमती साय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका जशपुर के उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव,पूर्व संसदीय सचिव श्री भरत साय, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह, श्री विजय आदित्य सिंह जूदेव सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर 9 हजार से अधिक पीएम आवास योजना के हितग्राही करेंगे गृह प्रवेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर प्रदेशभर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राज्योत्सव स्थल नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल रूप से 3.51 लाख हितग्राहियों का सांकेतिक गृह प्रवेश कराएंगे। इनमें सरगुजा जिले के 9368 हितग्राही शामिल हैं, जिनके पक्के घरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत मई 2025 से अब तक राज्य में 3.51 लाख से अधिक पक्के आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। सरगुजा जिले में भी इस अवधि में 9368 आवासों का निर्माण संपन्न हुआ है। राज्य स्थापना दिवस 1 नवंबर को जिले के सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ सामूहिक गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत नवनिर्मित घरों को दीपों, रंगोली और पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया जाएगा। लाभार्थियों को खुशियों की चाबी, आभार पत्र या स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर को उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी जोरों पर है।

जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने बताया कि कलेक्टर श्री विलास भोसकर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने

कार्यक्रम को हर्षोल्लास के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार की है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में आयोजन की सफलता के लिए रोजगार सहायकों,आवास मित्रों एवं महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रामगढ़ एवं मझगवां वासियों की अंधेरे में बीती दिपावली

क्या राज्योत्सव में भी छाया रहेगा अंधेरा ?

2 माह से सौर ऊर्जा प्लांट बन्द,ग्रामीणों में भारी आक्रोश

मझगवां,रामगढ़,नटवाही,चुलदार सहित कई प्लांट बन्द,न अधिकारी सुन रहे न जनप्रतिनिधि

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सोनहत विकासखण्ड के दुरस्त वानांचल ग्राम रामगढ़ एवं आस पास के ग्रामो में सौर ऊर्जा प्लांट पिछले एक से 2 माह से खराब है, आलम है कि ग्रामीणों की दीपावली भी इस साल पूरे अंधेरे में बीती, विद्युत विहीन ग्राम रामगढ़ में लाइट के लिए सौर ऊर्जा के अलावा दूसरा कोई विकल्प नही है उसके भी खराब होने के कारण ग्रामीणों मायूसी है साथ ही अब विरोध के स्वर भी गूंजने लगे हैं, ग्रामीणों ने बताया कि सौर ऊर्जा बन्द होने से भारी परेशानी हो रही है लोगो को आवागमन सहित कई दैनिक कार्य प्रभावित रहे हैं।

इनका कहना है...

रामगढ़ के प्लांट में बैटरी खराब होने के कारण परेशानी है, बैटरी का मांग पत्र भेजा जा चुका है बहुत जल्द बैटरी बदल दी जाएगी इसके बाद अच्छा काम करने लगेगा, फिलहाल रामगढ़ के प्लांट को दूसरे प्लांट से कनेक्ट कर चालू किया गया है, मझगवां का प्लांट बन्द है नई बैटरी बहुत जल्द आने वाली है इसके बाद मझगवां का प्लांट भी चालू कर दिया जाएगा

एस के किंडो
प्रभारी जिला क्रेडा अधिकारी कोरिया

नटवाही,चुलादर में भी प्लांट खराब

ग्राम नटवाही एवं चुलादर के ग्रामीणों ने बताया कि यहां का प्लांट खराब है। जिसके कारण यहां की विभिन्न पारा टोला मझरो में अंधेरा छाया हुआ है लोगो को कई प्रकार की परेशानियां झेलनी पड़ रही है लेकिन कोई भी इनका सुध लेने वाला नही है ग्रामीणों ने एक स्वर में शासन प्रशासन से शीघ्र सौर ऊर्जा प्लांट के मरम्मत एवं वयवस्था सुचारू रूप से चालू करने मांग किया है।

मझगवां में 2 माह से अंधेरा ग्रामीण परेशान

विकासखण्ड सोनहत पार्क परिक्षेत्र सोनहत स्थित वनांचल ग्राम मझगवां में भी सौर ऊर्जा प्लांट लंबे समय से खराब है, पूछने पर जानकारी मिली कि बैटरी खराब होने के कारण प्लांट काम नहीं कर रहा,बैटरी कब आएगी ये किसी को मालूम नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों को मिट्टी का तेल भी नसीब नहीं है कि घरों में रात को उजाला कर सकें। मझगवां ग्राम टाइगर रिजर्व क्षेत्र का हिस्सा है ऐसे में यहां जंगली जानवरों का डर रात्रि में अक्सर बना रहता है लोगों का कहना है बिना लाइट रहना भारी समस्या हो गया है ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है कि शीघ्र प्लांट का मरम्मत किया जाए।

सोलर प्लांट चालू नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

कांग्रेस नेता अनित दुबे एवं यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष प्रकाश चंद साहू ने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है वनांचल क्षेत्र में कई सोलर प्लांट खराब है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है, यदि जल्द सुधार कर प्लांट को चालू नहीं किया गया तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा

क्या राज्योत्सव भी बीतेगा अंधेरे में ?

रामगढ़ वालो की दीपावली तो अंधेरे में बीत गई लेकिन अहम सवाल है कि जब पूरा प्रदेश रजत जयंती समारोह मना रहा होगा क्या तब भी रामगढ़ वालो का जन जीवन अंधेरे में रहेगा। रामगढ़ के ग्रामीणों ने कहा प्लांट का मरम्मत कराकर सोलर से लाइट की आपूर्ति चालू की जाए ताकि राज्योत्सव का आयोजन एवं मुख्यमंत्री का सन्देश टीवी के माध्यम से रामगढ़ के ग्रामीण भी देख सके।

बच्चो की पढ़ाई हो रही प्रभावित

ग्रामीणों ने बताया कि रामगढ़ में सौर ऊर्जा प्लांट खराब होने से बच्चो की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, मिट्टी तेल भी मिलना बंद हो गया है किसी प्रकार दिया बत्ती से घरों में प्रकाश की व्यवस्था कर गुजारा कर रहे हैं, कुछ महीने में कालेज में अध्ययन रत छात्रो की सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित होनी है ऐसे में अंधेरे में पढ़ाई कैसे होगी यह अहम सवाल है।

न अधिकारी सुनते न जनप्रतिनिधि

ग्रामीणों ने बताया कि सोलर की समस्या को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है लेकिन आलम यह है कि यहां न अधिकारी सुनते है न जनप्रतिनिधि ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि हम जाएं भी तो जाएं कहाँ किस्से कहे अपनी परेशानी।

17 वर्षों से खड़गवां की कुर्सी पर जमे एसडीओ-शासन की सर्जरी से अछूते

फील्ड में हमेशा व्यस्त दिखने वाले एसडीओ...17 साल से नहीं छोड़ी खड़गवां की कुर्सी

कमीशनखोरी और कुर्सी मोह का खेलः खड़गवां के एसडीओ बने सत्ता के संरक्षित अधिकारी

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां, 28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग उप संभाग कार्यालय खड़गवां की कुर्सी से लगता है पदस्थ एस डी ओ का मोह नहीं जा रहा है, जो उप अभियंता से एसडीओ तक का सफर तय करने वाले मात्र एक ऐसे एसडीओ पिछले सत्रह से अठारह वर्षों से भी अधिक समय से एक ही स्थान पर अंगद के पांव की तरह जमे हुए है। जबकि पूर्व एवं वर्तमान राज्य शासन द्वारा समय-समय पर शासकीय अधिकारियों व कर्मचारियों की सर्जरी की जाती रही है।

सत्ता पक्ष के अपने आकाओं की जी हुजूरी करके अपना पोस्टिंग खड़गवां कराने में सफल रहते हैं, और इस प्रकार लगभग 17- 18 वर्षों से एक ही स्थान पर वे जमे रहकर खड़गवां ग्रामीण यांत्रिकी विभाग उप संभाग की कुर्सी को अपना स्थाई अड्डा बना रखे है। शायद शासन-प्रशासन ने भी इस ओर ज्यादा ध्यान देना मुनासिब नही समझा, जिसके कारण ये बड़े ढिठ किस्म के हो चले हैं साथ ही ग्राम पंचायतों में होने वाले अनेक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी ग्रहण लगाते चले आ रहे है।

जैसे अजगर को उसके जगह से हटाने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है, ठीक उसी किस्म के एसडीओ साहब लगते है। तथा लगता है इनको खड़गवां ग्रामीण यांत्रिकी विभाग उप संभाग का हवा-पानी कुछ ज्यादा ही भा गया है, इसीलिए खड़गवां का मोह नही छोड़ पा रहे है। इसकी दूसरी वजह यह भी है कि एसडीओ साहब का यहां मन मुताबिक निर्माण कार्य का कमीशन भी धड़ल्ले से वसूल किया जाता है प्रत्येक निर्माण कार्य की फाइल में बीस से तीस हजार रुपए की वसूली का खेल जारी है खड़गवां ग्रामीण यांत्रिकी विभाग उप संभाग कार्यलय में बिना कमीशन के कोई भी निर्माण कार्य की फाइल हिलती तक नहीं है और छूना तो दूर की बात है जब तक कमीशन की राशि नहीं मिलती फाइल पड़ी धूल खाती है मनरेगा के निर्माण कार्य और अन्य योजनाओं के तहत हुए निर्माण कार्यों की सी सी जारी करने धड़ल्ले से कमीशन कि वसूली होती है जो अन्य जगह में शायद नहीं मिलती हो।

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग उप संभाग कार्यलय में जब भी जाएंगे तो अन्य कर्मचारियों का जवाब रहता है कि साहब फिल्ड में गए हुए है कहां...गए है पता नही..! आखिर एसडीओं साहब इतना फिल्ड करते कहां-कहां है जो ज्यादातर कार्यालय में दिखते नही.. छोड़िए वो एसडीओं साहब है? कुछ भी कर सकते है? फिलहाल वे वर्षों से एक ही स्थान में पदस्थ है। जबकि शासन के नियम अनुसार उनका स्थानांतरण कब का हो जाना था। लेकिन इनको अभयदान मिलता आ रहा है। शासन-प्रशासन को इस मामले में संज्ञान लेने की जरूरत है। क्योंकी एसडीओं अगर 17-18 वर्षों से एक ही जगह पर रह सकते है तो अन्य अधिकारी-कर्मचारी क्यों नहीं रह सकते ?

डीईएएफ खातों के त्वरित निपटान हेतु मेगा कैम्प आयोजित

-संवाददाता-

कोरबा,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

वित्तीय सेवा विभाग (वित्त मंत्रालय),भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार आपकी पूँजी-आपका अधिकार के अंतर्गत वित्तीय विभागों में 10 वर्षों से अधिक निष्क्रिय एवं दावा रहित (अनक्लेम्ड) डीईएएफ खातों के सक्रिय एवं त्वरित निपटान हेतु शुक्रवार 24 अक्टूबर को सियान सदन, घंटाघर-बुधवारी रोड कोरबा में वृहत कैम्प का आयोजन लीड बैंक कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक कोरबा के द्वारा किया गया।

भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के आपकी पूँजी-आपका अधिकार के इस अभिनव पहल के तहत इस कैम्प में विशेष रूप से सभी बैंकों, भारतीय जीवन बीमा एवं एस बी आई लाइफ के द्वारा इस मुहीम को सफल बनाने का सार्थक प्रयास किया गया।

इस कैम्प में भारतीय स्टेट बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, केनरा बैंक, बैंक ऑफ़ इंडिया, यूको बैंक, बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र, यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, पंजाब - सिंध बैंक, एच डी एफ सी बैंक, आई सी आई सी आई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम एवं एस बी आई लाइफ इन्सयूरेंस के 37 खातों की पहचान कर 41.31 लाख रूपये का भुगतान किया गया। इस कैंप में भारतीय स्टेट बैंक लीड बैंक मैनेजर के साथ क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक श्री मृत्युंजय वर्मा, आई टी आई रामपुर शाखा के मुख्य प्रबंधक श्री रामेश्वर कुमार, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आशीष कुमार सिंह एवं जिला पंचायत कार्यालय के डीपीएम श्री चिराग ठक्कर उपस्थित थे।

बैंक जमा एवं बीमा धन में हजारों खातेदारों के निष्क्रिय एवं दावा रहित खाते में करोड़ों रूपये जमा हैं जिसका खातेदारों को या उनके वारिसान,नामित व्यक्ति को पहचान कर खाते की राशि उनके दावेदारों को भुगतान किये जाने का प्रक्रिया कैम्प के माफ़र्त जनता के बीच सन्देश देकर प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया बैंक, बीमा कार्यालय एवं म्यूच्यूअल फण्ड संस्थान द्वारा आगामी आदेश तक जारी रहेगी।

संयुक्त जिला कार्यालय में मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

अपर कलेक्टर आर.एस. लाल ने अधिकारी-कर्मचारियों को दिलाई शपथ

-संवाददाता-

बलरामपुर,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

संयुक्त जिला कार्यालय के प्रांगण में अपर कलेक्टर आर.एस. लाल ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए सभी संबंधित पक्षों सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने, नागरिकों को सतर्क रहने तथा सदैव ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के प्रति वचनबद्ध और भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में साथ देने की बात कही। अपर कलेक्टर श्री लाल ने जीवन में ईमानदारी, कानून के नियमों का पालन, रिश्वत नहीं लेने तथा नहीं देने, सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी से करने, जनहित में कार्य करने, अपने आचरण में ईमानदारी रखने तथा भ्रष्टाचार की घटना को उचित एजेंसी को देने की शपथ दिलाई।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700068

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2025-26

नमना कला प.ह.न. 00020 (हे0)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार -तीरथ रविदास, गौरी रविदास, गायत्री रविदास,मन्नू रविदास, छोटू,रविदास.
अनावेदक पक्षकार - तीरथ रविदास, गौरी रविदास, गायत्री रविदास, मन्नू रविदास, छोटू,रविदास,

ईश्तहार

आवेदक गौरी रविदास पिता स्व0 रामप्रसाद व अन्य, निवासी पंचदेव मंदिर के पास,नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 476/5,476/8 रकबा 0.048, 0.170 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/5 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700136

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2025-26

मणीपुर प.ह.न. 00022 (हे0)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -आवेदक पक्षकार सुन्दरमती, सत्यम दास, शुभम दास, सुंदरम दास, रेनू दास, गुलाबी दास, धनसाय दास, शिवम दास, सीता दास, गीता दास, माला दास.
अनावेदक पक्षकार - सुन्दरमती, सत्यम दास, शुभम दास सुंदरम दास, रेनू दास, गुलाबी सीता दास, गीता दास, माला दास,दास,धनसाय दास, शितम

ईश्तहार

आवेदक सुन्दरमती पति बेचन दास व अन्य निवासी ग्राम मणीपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित खसरा नंबर 189/1 190/1 431/1, 436/1, 438, 458/1 रकबा क्रमशः 0.124, 0.031, 0.110, 0.049, 0.336, 0.061 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/4 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस कियक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे से आज दिनांक 22/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार, अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क0-/-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमलचंद बोस आ0 स्व0 सतीशचंद बोस निवासी सुभाषनगर वार्ड क्रमांक 2 तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के अपने स्वामित्व ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर स्थित पुर्नवास पट्टे की भूमि खसरा नंबर 204/7 रकबा 0.540 हे0 भूमि में से रकबा 0.080 हे0 भूमि को अनावेदक संतोष मण्डल आ0 भोला मंडल, आनंद मंडल आ0 भोला मंडल दोनो निवासी ग्राम भगवानपुर, सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 36,00,000/- में बिक्री करने अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ. है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 19.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-07/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क0 / अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ठाकुर दयाल सिंह आ. स्व. रामनारायण सिंह, जाति कंवर, निवासी ग्राम भकुरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भकुरा स्थित भूमि कुल भूमि खसरा नंबर 16 कुल रकबा 5.8920 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा दिनांक 25.08.2023 के आधार पर, वसीयतकर्ता माधुरी देवी का नाम विलोपित कराकर अपना नाम दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/11/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक-1/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2,सरगुजा

CMYK

आस्था के कुंभ में डूबा कोरिया जिला व्रती महिलाओं और पुरुषों ने उदीयमान सूर्य को दिया अर्घ्य,पूर्ण हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

-राजन पाण्डेय-

बैकुण्ठपुर/चिरीमिरी/सोनहत/पटना, 28 अक्टूबर 2025(घटती-घटना)।

कांच ही बांस के बहंगिया,बहंगी लचकत जाए...छठ गीतों की मधुर धुनों से सोमवार की भोर गूंज उठी। चार दिवसीय कठिन व्रत के उपरांत आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुआ। सोमवार की संध्या में अस्ताचलगामी सूर्य और मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को व्रती महिलाओं और पुरुषों ने जल व दूध से अर्घ्य दिया। फलों, गन्ने, और मौसमी प्रसाद से सजे सुप व दौरी लेकर श्रद्धालुओं ने परिवार की मंगल कामना, पुत्र-पुत्री के दीर्घायु जीवन और स्वास्थ्य की प्रार्थना की।

छठ घाट पहुचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

छठ घाट पहुचे बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े

पूरे जिले में गूंजा 'जय छठी मईया'

चिरमिरी,बैकुंठपुर,मनेंद्रगढ़,चरचा,खड़गवां,नागपुर,नई लेदरी,खोंगापानी, झगराखांड और भरतपुर हर कस्बे और गांव में छठ पर्व का उल्लास दिखाई दिया। लोगों ने परिवार सहित अर्घ्य देकर सूर्योपासना की और एक स्वर में प्रार्थना की 'मईया खोल नाहीं केवड़िया,दर्शनवा देहुना...

आस्था का महासागरः घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

पटना के झूमर पारा तालाब,कटकोना एसईसीएल जलाशय,गोबरी जलाशय सहित पूरे कोरिया जिले के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। व्रती महिलाओं के साथ परिवारजन और भक्तजन सुबह-सुबह तालाबों के तट पर पहुंचे। राम मंदिर तालाब, झुमका बांध और गेज नदी तट पर भी पूजा अर्चना हुई।

बेटियों के लिए भी मां करती हैं अर्घ्यदान

छठ केवल पुत्र कामना का व्रत नहीं,बल्कि बेटियों की मन्नत का पर्व भी बन चुका है। व्रती महिलाओं ने रूनकी-झुनुकी बेटियां और दामाद हे छठी मईया जैसे गीत गाकर पुत्री-सुख की कामना की। समाज में नारी सशक्तिकरण का संदेश देने वाला यह पर्व बेटा-बेटी में समानता का प्रतीक बन रहा है।

दीपदान से झिलमिलाए तालाब

अर्घ्य के बाद श्रद्धालुओं ने दीपदान किया। पानी की लहरों पर तैरते दीपों ने जब झिलमिलाती रोशनी फैलाई, तो ऐसा लगा मानो पूरा पूर्वांचल क्षेत्र यहां उतर आया हो। सूप में पारंपरिक प्रसाद ठेकुआ,फल,गन्ना और मौसमी पकवान सजाए गए थे, जिन्हें श्रद्धालुओं ने सूर्य देवता को अर्पित किया।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और प्रशासन की सतर्कता

घाटों पर भीड़ को नियंत्रित करने और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल मुस्तैद रहा।

घाटों पर जगह पड़ी कम, बढ़ी श्रद्धा

पटना के झूमर पारा तालाब में श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक रही कि व्रती महिलाओं को अर्घ्य देने के लिए खड़े होने की जगह नहीं मिली। हर सीढ़ी, हर तट सुपों और दौरी से भरा नजर आया। इस दौरान प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह सहित उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल का छठ पूजा समिति ने स्वागत किया और छठ घाट छोटे पड़ने की बात बताई, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि छठी मईया का आशीर्वाद रहा तो अगले वर्ष तालाब पर छठ व्रतियों के लिए जगह की कमी नहीं पड़ेगी और सुविधायुक्त छठ घाट का विस्तार पूर्ण हुआ मिलेगा।

खनिज अधिकारी ने कहा तीन वाहन जप्त, आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी

अवैध परिवहन पर कलेक्टर के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई

-संवाददाता-
कोरिया,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कोरिया के निर्देश पर खनिज विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम की अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए तीन वाहनों को जप्त किया है। यह कार्यवाहीं तहसील पटना क्षेत्र में की गई, गश्त के दौरान इन वाहनों को अवैध रूप से गौण खनिज रेत का परिवहन करते पाया गया, जिसके बाद उन्हें मौके पर ही जब्त कर समीपस्थ पटना थाना में अभिरक्षा में रखा गया है।

जप्त किए गए वाहनों की जानकारी सीजी 16 सीएन 5852 मिनी ट्रक वाहन मालिक जगदीश साहू, सीजी 12 ए एन 8294 मिनी ट्रक वाहन मालिक श्री अमरदीप, महिंद्रा सोल्ड सुरेन्द्र कुमार राजवाड़े ट्रैक्टर वाहन इन वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है, जिला खनिज अधिकारी ने जानकारी दी है कि कलेक्टर के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन,परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी है। खनिज अधिकारी कहा है कि भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा अधोसंरचना में 25 वर्षों में अभूतपूर्व विस्तार

स्कूलों की संख्या 386 से बढ़कर 606,दर्ज संख्या 21 हजार से बढ़कर 37 हजार हाईस्कूल परीक्षा परिणाम 46 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत तक पहुँचा

-संवाददाता-
कोरिया,28 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य 25 वर्षों की गौरवशाली विकास यात्रा का रजत वर्ष मना रहा है। इस अवधि में पूरे राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। जिला कोरिया में भी स्कूली अधोसंरचना, सुविधाओं और परिणामों में अद्भुत वृद्धि हुई है, साल 2000 में जिले में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 281 थी,जो बढ़कर 387 हो गई। पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की संख्या 76 से बढ़कर 167 और हायर सेकेंडरी विद्यालयों की संख्या 22 से बढ़कर 37 हो गई है, इसी अवधि में विद्यालयों में छात्रों की दर्ज संख्या 21 हजार 51 से बढ़कर 37 हजार 172 तक पहुँच गई है। इस आंकड़े से पता चलता है कि शिक्षा के प्रति आमजन की जागरूकता और पहुंच दोनों में वृद्धि हुई है।

परीक्षा परिणाम में ऐतिहासिक सुधार- सन् 2000 में हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा परिणाम 46.31 प्रतिशत था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 92.26 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार हायर सेकेंडरी (12वीं) परिणाम 67.15 प्रतिशत से बढ़कर 94.26 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जो जिले में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ने की पुष्टि करता है।

छात्र हितैषी योजनाओं का असर

मध्यान्ह भोजन योजना के तहत वर्ष 2000 में 9,124 विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन मिलता था, जबकि 2025 में यह बढ़कर 25,516 विद्यार्थियों तक पहुँच गया है। कक्षा 1 से 10 तक लगभग 2 लाख 20 हजार छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें तथा कक्षा 1 से 8 तक 48,892 विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा कक्षा 9वीं की एक हज़ार से अधिक छात्राओं को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराई गई है, जिससे बेटियों की शिक्षा में बाधाएँ कम हुई हैं। इसके अतिरिक्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवोदय विद्यालय और कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण संस्थान वर्ष 2000 के बाद स्थापित किए गए,जिनसे जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का दायरा और मजबूत हुआ है। विष्णु देव साय सरकार की विकासपरक योजनाओं और जन-भागीदारी के फलस्वरूप कोरिया जिले के दुर्गम व दूरस्थ अंचलों में शिक्षा की रोशनी तेजी से पहुंचने लगी है। इन 25 वर्षों में जिले ने शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित की है, जो भविष्य में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास की नींव को और मजबूत करेगी।

CMYK

प्रदेश में 4708 शिक्षकों की होगी भर्ती राज्य शासन ने जारी किया आदेश

रायपुर,28 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बेरोजगारों को जल्द ही नौकरी का मौका मिलने वाला है। पिछले दिनों 5000 शिक्षकों की नई भर्ती को वित्त विभाग ने मंजूरी दी थी। अब राज्य सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। प्रदेश में अब 5000 में से 4708 शिक्षकों की भर्ती होगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। विभाग के अवर सचिव ने डीपीआई को पत्र लिखा है।

व्यापम के जरिए होगी भर्ती

स्कूल शिक्षा विभाग से अनुमति मिलने के बाद व्यापम को परीक्षा आयोजित करने का आदेश जारी किया जाएगा। बता दें, स्कूल शिक्षा विभाग परीक्षा के ड्राफ्ट को पहले ही मंजूरी दे चुका है। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में पहले चरण में जिन पांच हजार शिक्षकों की भर्ती होगी, उनमें व्याख्याता, शिक्षक और सहायक शिक्षक याने तीनों केटेगरी के शिक्षक शामिल होंगे। विभाग ने इसका ड्राफ्ट तैयार कर दिया है कि 5000 में से कितने व्याख्याता होंगे और कितने शिक्षक और सहायक शिक्षक। तमाम औपचारिकताएं पूरी होते ही व्यापम परीक्षा कार्यक्रम का ऐलान कर देगा। इसके बाद निर्धारित तिथि से आवदेन भरने का काम शुरू हो जाएगा।

ढाबे में जेल प्रहरी ने किया मारपीट दबंगई का वीडियो वायरल

कांकेर,28 अक्टूबर 2025। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर स्थित एक ढाबे में कांकेर जिला जेल के एक प्रहरी की दबंगई का मामला सामने आया है। मामूली कहासुनी के बाद जेल प्रहरी ने ढाबा कर्मचारी की सरेआम जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें तीन से चार लोग मिलकर कर्मचारी को जमीन पर पटकते और लात-घूंसों से मारते हुए नजर आ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले कांकेर जेल के कुछ प्रहरी खाना खाने के लिए राजमार्ग-30 स्थित एक ढाबे पर पहुंचे थे। ढाबा कर्मचारी ने उनमें से एक प्रहरी को काउंटर के अंदर चप्पल पहनकर जाने से रोका। इस बात से नाराज होकर प्रहरी वहां से चला गया। कुछ देर बाद दूसरा प्रहरी पहुंचा और उसने ढाबा के वेटर को जबरन बाहर निकालना शुरू कर दिया। इस बीच काउंटर पर बैठा कर्मचारी जब किचन की ओर गया, तभी पहला प्रहरी वापस आया और काउंटर में जाकर बैठ गया। कर्मचारी ने एक बार फिर कहा कि कृपया चप्पल उतार दें। बस, इसी बात पर जेल प्रहरी आगबबूला हो गया। उसने अचानक कर्मचारी को खींचा और जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद उसने और उसके साथियों ने मिलकर कर्मचारी को जमीन पर गिरा दिया और बेरहमी से लात-घूंसों से पिटाई कर दी।

शिक्षिका ने गृहमंत्री को पढ़ाया विज्ञान और गणित,स्टूडेंट बने विजय शर्मा

कबीरधाम,28 अक्टूबर 2025। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के ग्राम बिरकोना स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला से कवर्धा विकासखंड के अंतर्गत संचालित 17 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मार्ट कक्षाओं का स्कूली बच्चों के साथ रिबन काटकर शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम में कवर्धा विकासखण्ड के सभी स्कूल जहां स्मार्ट कक्षाओं की शुरुआत हो रही है वहां के बच्चे वर्चुअल माध्यम से सीधे जुड़े। इस अवसर पर सभी शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के साक्षी बने। इस दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा स्मार्ट क्लास में जाकर बच्चों के साथ बैठकर खुद भी विद्यार्थी बन गए। उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर आदर्श विद्यार्थी की तरह डिजिटल बोर्ड के माध्यम से हृदय की संरचना,पौधों में पादप हार्मोन एवं इलेक्ट्रो केमिस्ट्री में बैटरी की कार्यप्रणाली के बारे में डिजिटल बोर्ड द्वारा जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षकों के साथ डिजिटल कक्षा के संचालन,उपयोग एवं कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वयं भी स्मार्ट बोर्ड संचालित कर इसकी उपयोगिता को परखा।

हम चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं : सीएम साय

राज्य में मतदाताओं की संख्या 2.12 करोड़, मतदान केन्द्र की संख्या 24, 371, बीएलओ 24, 371, बीएलए 38,368, ईआरओ व आरओ 467, 7 फरवरी 2026 को होगा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

रायपुर, 28 अक्टूबर 2025। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने को एक अच्छा कदम बताया है, उन्होंने कहा कि हम आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं। राजधानी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा एसआईआर की प्रक्रिया को उचित कदम बताते हुए इसे बहारी तथा गलत लोगों को मताधिकार नहीं मिलेगा। ज्ञात रहे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने के पश्चात राजनीति सियासत तेज हो गई थी जिससे सत्तारूढ़ दल और विपक्ष आमने सामने हो गए थे। जिसके कारण आयोग भी विवाद के घेरे में आ गया था।

बीएलओ घर-घर जाकर सूची तैयार करेंगे : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार है। वहीं, 24 हजार 371 मतदान केन्द्र हैं। एसआईआर के लिए हर एक मतदान केन्द्र पर बीएलओ तैनात रहेंगे। राजनीतिक दलों के 38 हजार 368 बीएलए तथा मतदाता सूची तैयार करने के लिए 467 ईआरओ व एईआरओ की भी नियुक्ति की जा चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा के मुताबिक सोमवार की रात से मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। इसके साथ ही नए नाम जोडऩे पर अस्थायी रोक रहेगी। आयोग के निर्देश पर सभी जिलों में अधिकारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। बीएलओ अब घर घर जाकर मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन करेंगे। प्रत्येक बीएलओ एक घर में तीन बार दौरा करेगा, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। संदिग्ध मतदाताओं से दस्तावेज मांगे जाएंगे, और जिनके नाम पर संदेह होगा, उन्हें सूची से हटाया जा सकता है। साथ ही, जिनका पता बदल गया है या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके नाम भी हटाए जाएंगे।

संदिग्धों के प्रमाण-पत्र मांगे जाएंगे

संदिग्धों से प्रमाण-पत्र मांगे जाएंगे। एसआईआर सामान्य मतदाता सूची संशोधन से अधिक विस्तृत प्रक्रिया है। इसमें बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी जुटाएंगे और एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाएंगे। यदि कोई मतदाता अस्थायी रूप से बाहर गया है या ऑफिस समय में उपलब्ध नहीं है,तो वह ऑनलाइन माध्यम से स्वयं भी विवरण अपडेट कर सकता है। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। दावा-आपत्ति के निराकरण के बाद 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। बताया गया है कि ईआरओ दावा-आपत्तियों पर निर्णय लेगा और उसका निराकरण कर अंतिम मतदाता सूची तैयार करेगा। ईआरओ के निर्णय के खिलाफ प्रथम अपील जिला कलेक्टर तथा द्वितीय अपील मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुनेंगे। किसी भी मतदान केन्द्र में 1200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। सभी मतदाताओं से आधार नंबर लिया जाएगा। आधार नंबर का उपयोग केवल पहचान के लिए होगा।

कांग्रेस नेता के ऑफिस में 2 लोगों को मारी गोली

बिलासपुर में बाइक-सवार 4 शूटरों ने 12 राउंड की फायरिंग,दोनों घायल अपोलो में भर्ती

बिलासपुर,28 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार शाम कांग्रेस नेता और जनपद उपाध्यक्ष नीतेश सिंह के पर्सनल ऑफिस में हमला हुआ है। 4 नकाबपोश बाइक सवार शूटरों ने 2 लोगों को गोली मार दी। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र के नहर पार इलाके का है। जानकारी के मुताबिक शूटरों ने कांग्रेस नेता नीतेश सिंह के रिश्तेदार चंद्रकांत सिंह ठाकुर और कर्मचारी राजू ठाकुर को गोली मारी है। दोनों को गंभीर अवस्था में अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर 12 राउंड गोलियां चलीं और खाली खोखे बरामद हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार दो बदमाश

पिस्टल लिए हुए थे। लगातार फायरिंग कर रहे थे। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल,शाम को एक बाइक पर 3 नकाबपोश पिस्टल लेकर कांग्रेस नेता नीतेश सिंह के ऑफिस के बाहर आए। इस दौरान नीतेश सिंह के ऑफिस में उनके कुछ सहयोगी और रिश्तेदार बैठे हुए थे। अचानक 2 बाइक पर 4 बदमाश आए और फायरिंग की। वारदात के बाद मौके से फरार हो गए।

नीतेश सिंह के ऑफिस में चंद्रकांत और राजू ठाकुर को लगी, जिससे दोनों वहीं गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें गंभीर हालत में अपोलो रेफर किया गया।

पुलिस अलर्ट,सभी थाना इलाके में नाकेबंदी

घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने मस्तूरी थाना पुलिस सहित आसपास के सभी थानों को अलर्ट कर दिया है। तोरवा और मस्तूरी मार्ग पर नाकेबंदी कर दी गई है।

हमलावरों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें तैनात की गई हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक लोगों ने सूचना दी थी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए थे। हमलावरों की गाड़ी के नंबर प्लेट की मदद से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान हो सके।

चक्रवात मोन्था : प्रदेश में भी हो रही वर्षा से किसान चिंतित,राजधानी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में कीट पतंगों का बढ़ा प्रकोप

रायपुर, 28 अक्टूबर 2025। प्रदेश में चक्रवात मोन्था के असर आज सुबह से दिखाई पड़ा राजधानी में जहा हल्की वर्षा हुई। वहीं उत्तरी छत्तीसगढ़ में अनवरत वर्षा होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। बढ़ती नमी के कारण राजधानी में इस समय पतंगा तथा हरा सफेद माहो का प्रकोप दिखाई पड़ रहा है। धान की खड़ी फसलों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कृषि विभाग के अनुसार रायपुर सहित अन्य संभागों में हो रही वर्षा के कारण इस समय धान की कटाई एवं मिजाई में विलंब हो रहा है। खेतों में पानी भरा हुआ है, जिसके कारण हार्वोस्टर नहीं चल पा रहा है। इस समय किसान परेशान है, खेतों में भूरा माहो का प्रकोप बढ़ रहा है, जिसके कारण धान की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है।

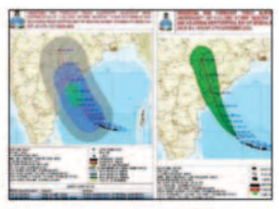

किसानों के अनुसार इससे धान की क्वालिटी पर असर पड़ेगा। किसानों के अनुसार यह वर्षा हानिकारक है। डॉ. चन्द्रा ने बताया कि चक्रवाती तूफान रिजर्व हो गया है तथा आज समुद्र तट से टकरा गया है, जिसके कारण अब इसका असर ओड़िशा, आन्ध्रप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में दिखाई पड़ रहा है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मोन्था के प्रभाव के कारण 27 अक्टूबर को दक्षिण छत्तीसगढ़ के जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

मंत्रियों के ओएसडी बदले गए

रायपुर,28 अक्टूबर 2025। डिप्टी सीएम अरूण साव समेत तीन मंत्रियों ने अपने निजी स्थापना से ओएसडी और लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों को बदल दिया है। इनकी जगह नये पदस्थ किए गए हैं। जीएडी से जारी आदेशानुसार हाईस्कूल भरारी बिल्हा पदस्थ ग्रेड 2 लिपिक डिगेश्वर राव शिंदे की सेवाएं स्कूल शिक्षा विभाग से लेते हुए डिप्टी सीएम साव के यहां पदस्थ किया गया है।

इसी तरह से उच्च शिक्षा, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने अपने ओएसडी डिप्टी कलेक्टर गौतम सिंह की सेवाएं मूल विभाग को वापस कर दिया है। उनकी जगह बिलासपुर पीजी कालेज के प्रोफेसर डा संजय तिवारी को ओएसडी नियुक्त किया है। वहीं कृषि मंत्री रामविचार नेताम के भी निजी स्थापना में पदस्थ रहे प्रधान पाठक मुन्ना लाल ध्रुवे की सेवाएं स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सरुवत स्कूल वाड्रफनगर को वापस कर दी गई हैं। उनकी जगह मेडिकल कॉलेज रायपुर में स्टेनो ग्रेड -3 के संतोष राम को ग्रेड 2 पद के विरुद्ध नियुक्त किया गया है। संतोष को वेतन ग्रेड 3 का ही मिलेगा। इस नियुक्ति के लिए जीएडी ने अर्हता पात्रता नियमों को शिथिल किया है। बता दें कि इससे पहले इसी माह स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव,कौशल विकास मंत्री खुशवंत गुरू ने भी अपने स्टाफ बदल दिए थे। ये दोनों दो माह पहले ही मंत्री बनाए गए हैं।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस नेता फिर छत्तीसगढ़ में झूठ फैलाने में जुटे : पाण्डेय

रायपुर, 28 अक्टूबर 2025। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने देश के विभिन्न राज्यों समेत छत्तीसगढ़ में भी चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का एलान किए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग की यह पहल भारतीय लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करेगी और देशभर में चुनाव प्रणाली में आए दोषों को स्वयमेव निवारण होगा। श्री पाण्डेय ने कहा कि इसमें करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। यह 28 अक्टूबर से शुरू होगा और 7 फरवरी को खत्म होगा। 103 दिन की कार्यवाही में मतदाता सूची में सुधार, नए मतदाताओं का समावेश और सूची में त्रुटियों का निवारण किया जाएगा।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि एसआईआर को लेकर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं के पेट में मरोड़ उठने लगा है और वे एक बार फिर झूठ फैलाकर इस मुद्दे पर प्रदेश की जनता को दिग्भ्रमित करने की नाकाम कोशिशों में जुट गए हैं। जनता द्वारा बार-बार नकारे जाने से अब कांग्रेस पूरी तरह हताश और निराश हो गई है। भारतीय लोकतंत्र को बदनाम करते रहने की इनकी कोशिश एक अक्षम्य अपराध है। बौखलाहट में जिस तरह की भाषा ये उपयोग करते हैं, वह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस पहले ईवीएम को बदनाम करती रही है, लेकिन कुल 40 बार विभिन्न अदालतों ने ईवीएम को सही ठहराया। दरअसल लोकतंत्र की हत्या, बूथ कैप्चरिंग, आदि कांग्रेस का चरित्र रहा है। कांग्रेस का आचरण दोहरे राजनीतिक मापदंड का परिचायक है। एसआईआर का विरोध कांग्रेस को नहीं करना चाहिए।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस एक तरफ वोट चोरी रोकने की बात कह रही है, वहीं दूसरी तरफ वह मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए चल रहे एसआईआर का विरोध कर रही है। अब कांग्रेस बताए कि एसआईआर का विरोध करके वोट चोरी को कैसे रोका जा सकता है? एसआईआर का विरोध करके कांग्रेस तो खुद कठघरे में है। श्री पाण्डेय ने कहा कि खुद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट भी मानते हैं कि वोट चोरी की बात कहना अपनी हार का इल्जाम खुद पर लेने से बचना है। हारे हुए लोगों को धरातल पर मेहनत करनी चाहिए। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव से लेकर निकाय-पंचायत चुनावों में लगातार पाँच बार शर्मनाक पराजय के बाद भी कांग्रेस ने नेताओंने अपनी हार से कोई सबक लेना जरूरी नहीं समझा।

भारतमाला परियोजना घोटाला : राजस्व अधिकारियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर,28 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने मंगलवार को बहुचर्चित भारतमाला परियोजना भूमि अधिग्रहण घोटाले में फंसे राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत ने माना कि मामला गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़ा है,जिसकी जांच अभी जारी है। ऐसे में आरोपियों को अग्रिम जमानत देना न्यायहित में उचित नहीं होगा। यह निर्णय मुख्य न्यायाधीश रमेशचंद्र सिन्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के बाद सुनाया। जिन अधिकारियों की याचिकाएं खारिज की गई हैं, उनमें तत्कालीन एसडीएम निर्भय कुमार साहू, तहसीलदार लेखराम देवांगन,

लखेश्वर प्रसाद किरन,शशिकांत कुर्रे,नायब तहसीलदार डी.एस. उइके, राजस्व निरीक्षक रौशन लाल वर्मा और पटवारी दीपक देव शामिल हैं। सभी को आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के प्रकरण में आरोपी बनाया गया है।

ईओडब्ल्यू-एसीबी ने किया था बड़ा खुलासा : भारतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार के लिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण किया गया था। जांच एजेंसी को शिकायतें मिली थीं कि भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में कई जगहों पर भारी वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। ईओडब्ल्यू-एसीबी की जांच में सामने आया कि कुछ राजस्व अधिकारी और कर्मचारियों ने भूमाफियाओं के साथ सांठगांठ कर भूमि के वास्तविक मूल्य से कई गुना अधिक मुआवजा राशि स्वीकृत करवाई। इससे राज्य सरकार को करीब 600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

घोटाला गंभीर,जांच में बाधा बन सकती है जमानत : हाईकोर्ट

मंगलवार को बिलासपुर स्थित उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से अग्रिम जमानत की मांग की गई। उनका तर्क था कि जांच लंबी खिंच रही है और गिरफ्तारी की आशंका के कारण वे मानसिक दबाव में हैं। इस पर राज्य की ओर से डिप्टी एडवोकेट जनरल डॉ. सौरभ कुमार पांडेय ने अदालत को बताया कि यह मामला अत्यंत गंभीर आर्थिक अपराध का है, जिसमें सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने जांच में सहयोग नहीं किया और कई बार पूछताछ से बचने की कोशिश की। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सभी तर्कों को सुनने के बाद कहा यह मामला गंभीर आर्थिक अनियमितताओं और भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ है। जांच एजेंसी अभी साक्ष्य एकत्र करने की प्रक्रिया में है। यदि इस स्तर पर आरोपियों को अग्रिम जमानत दी जाती है, तो इससे जांच प्रभावित हो सकती है। इसी आधार पर अदालत ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और ईओडब्ल्यू को निर्देश दिया कि वह कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई जारी रखे।

थोटा संकीर्तना ने रांची में 800 मीटर दौड़ में जीता कांस्य,छत्तीसगढ़ का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन

रायपुर,28 अक्टूबर 2025। झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में छत्तीसगढ़ की बेटी थोटा संकीर्तना ने प्रदेश का नाम गर्व से रोशन किया है। भिलाई की यह युवा एथलीट 800 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीतने में सफल रही। यह उपलब्धि संकीर्तना के लिए व्यक्तिगत तौर पर बड़ी सफलता है और साथ ही छत्तीसगढ़ के खेल जगत के लिए भी गौरव का विषय बनी है। थोटा संकीर्तना दुर्ग जिले के चरोदा भिलाई के जी केबिन चरोदा क्षेत्र की निवासी हैं। उनके इस शानदार प्रदर्शन ने न केवल उनके परिवार और प्रशिक्षकों को गर्व महसूस कराया, बल्कि स्थानीय समुदाय में भी खुशी और उत्साह का माहौल बना दिया। क्षेत्रवासियों ने संकीर्तना को उनकी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी (रांची) में आयोजित हुई, जिसमें केवल भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और

श्रीलंका जैसे देशों के खिलाड़ी भी शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों के युवा एथलीटों ने भाग लिया, जिससे इसका स्तर और प्रतिस्पर्धा काफी ऊँची रही। छत्तीसगढ़ से इस प्रतियोगिता में केवल थोटा संकीर्तना ने ही हिस्सा लिया और अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने 800 मीटर दौड़ में शानदार तकनीक और स्थिरता के साथ दौड़ पूरी की। शुरू से ही उन्होंने बढ़त बनाए रखी और अंतिम दौर में भी धैर्य और ताकत के साथ प्रतिस्पर्धा जारी रखी।

कोल इंडिया की स्वर्ण जयंती पर इंडिया पोस्ट ने विशेष आवरण जारी किया

रायपुर, 28 अक्टूबर 2025। भारत के कोयला क्षेत्र को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल के तहत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल),जो कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी है ने डाक विभाग, छत्तीसगढ़ परिमंडल के सहयोग से इंडिया पोस्ट का विशेष आवरण जारी किया। यह आवरण कोल इंडिया की स्वर्ण जयंती (50 वर्ष) तथा एसईसीएल की रूबी जयंती (40 वर्ष) के उपलक्ष्य में जारी किया गया। इस अवसर पर एक विशेष निरस्तीकरण कैशे का भी अनावरण किया गया। यह समारोह

सरकार की स्पेशल कैपेन 5.0 पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें श्री पी. एम. प्रसाद, अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड, तथा श्री हरीश दुःहान, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण, मुख्य सतर्कता अधिकारी तथा डाक विभाग, छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हुए। यह विशेष आवरण एक संग्रहणीय डाक-फिलेटेलिक निर्गम है, जो कोल इंडिया के पाँच दशकों की अभूतपूर्व उपलब्धियों तथा एसईसीएल की चार दशकों की परिचालन उत्कृष्टता और नवाचार को अमर करता है। यह आवरण भारत की औद्योगिक प्रगति और संस्थागत विरासत के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। स्पेशल कैपेन 5.0 के अंतर्गत यह पहल सरकार की संस्थागत स्वच्छता, अभिलेख प्रबंधन की दक्षता तथा सार्वजनिक उपक्रमों की ऐतिहासिक उपलब्धियों को स्मरणीय बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। 1975 में स्थापित कोल इंडिया लिमिटेड, जो विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है।

रायपुर में बैंक अधिकारी की मौत

रायपुर,28 अक्टूबर 2025। शहर की जर्जर सड़कों पर गड्ढों के कारण एक और जान चली गई। बारिश के बाद उखड़ी सड़कों और पानी से भरे गड्ढों की अनदेखी लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। राजधानी रायपुर के आजाद चौक थाना क्षेत्र में आमापारा चौक स्थित स्वीपर कॉलोनी के पास मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। जिला सहकारी बैंक के मैनेजर लक्ष्मीकांत तिवारी की कार से कुचलकर मौत हो गई। वे विकासपुरी निवासी थे और अपनी सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया पूरी करने के बाद बैंक से घर लौट रहे थे।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें लक्ष्मीकांत अपनी एक्टिवा से सड़क किनारे जा रहे थे। अचानक रास्ते में बने गड्ढे में उनकी स्कूटी उछली और वे संतुलन खो बैठे। स्कूटी फिसलने के साथ वे विपरीत दिशा में गिर गए। तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार वेगनआर कार ने उन्हें टक्कर मार दी और सिर पर चढ़ते हुए आगे निकल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आमापारा चौक से भाठागांव तक सड़क की हालत बेहद खराब है। इस पूरे मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। सड़क पर कीचड़ जमा रहने से दोपहिया वाहन चालक अक्सर फिसलकर गिर जाते हैं। लोगों ने बताया कि बारिश के दिनों में सड़कें पूरी तरह उखड़ गई थीं, लेकिन अब तक किसी तरह की मरम्मत नहीं की गई।

डबल इंजन सरकार में किसानों

को मिले ₹1,25,000 करोड़

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

25.47 लाख
किसान लाभान्वित

₹9,765 करोड़
किसानों के खातों में

2.75 लाख
नए पंजीकृत किसान

दीनदयाल भूमिहीन कृषक मजदूर कल्याण योजना

₹10,000
5.62 लाख
भूमिहीन कृषि मजदूरों को हर साल

कृषक उन्नति योजना

राज्य के 25.49 लाख किसानों को अब तक
29036 करोड़
की राशि अंतरित

कृषक उन्नति योजना का विस्तार

₹11,000/एकड़
दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी-रागी, कपास पर भी इनपुट सब्सिडी

रेगहा, बटाई, लीज़, डुबान के किसानों को भी लाभ

25.49 लाख
किसानों से ₹3,100/क्विंटल एवं 21 क्विंटल/एकड़ की दर पर धान खरीदी देश में सर्वाधिक

₹3,716 करोड़
13 लाख
किसानों को दो साल का बोनस

सिंचाई और आधुनिक खेती

₹5,000 करोड़
1 लाख हेक्टेयर सिंचाई विस्तार हेतु निवेश

₹3,500 करोड़
निः शुल्क बिजली 3-5 HP पंपों के लिए प्रावधानित

हाइड्रोपोनिक व एयरोपोनिक खेती को बढ़ावा

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

शून्य ब्याज ऋण सुविधा

किसान क्रेडिट कार्ड से अल्पकालीन कृषि ऋण शून्य ब्याज पर

गौपालन, मत्स्य पालन, लाख उत्पादन के लिए रियायती ब्याज

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संकल्प से सिद्धि की ओर

संवाद 45693/53

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)